RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 315 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 13-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी के नेतृत्व में 11वीं से 'चौथी सबसे बड़ी' अर्थव्यवस्था बना भारत
6 भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास
7 बढ़ती उम्र में फिट और एटिव रहने का मंत्र है योगासन: पूनम ढिल्लों

फर्स्ट टेक

भारत ने मालदीव को खसरे के टीके और मेडिकल आपूर्ति भेजी

माले/भाषा। भारत ने मालदीव में खसरे के बढ़ते मामलों से निपटने और वहां टीकाकरण को मजबूत करने में मदद के लिए खसरे के टीके की 20,000 खुराक और लगभग तीन टन मेडिकल आपूर्ति भेजी है। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ''समय पर मिली मदद'' के लिए सराहना की और कहा कि यह दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भारत ने मालदीव की मदद के लिए खसरे के टीके की 20,000 खुराक और लगभग तीन टन मेडिकल आपूर्ति भेजी है।

अमेरिका की भुगतान सुविधा 'ज़ेल' भारत में शुरू करेगी सेवाएं

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका की भुगतान सुविधा 'ज़ेल' भारत में अपनी सेवाओं का विस्तार के साथ ही विदेशी बाजार में प्रवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि भारत में सेवाओं के इस वर्ष के अंत से पहले शुरू होने की उम्मीद है। 'ज़ेल' भुगतान सेवा भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के समान है। दोनों के बीच एक प्रमुख अंतर यह है कि जहां यूपीआई का विकास नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने किया है और यह मोबाइल ऐप के जरिये लेनदेन की सुविधा देता है, वहीं 'ज़ेल' सहभागी बैंकों के मोबाइल ऐप में एकीकृत होता है। ज़ेल नेटवर्क का संचालन करने वाली अर्ली वार्निंग सर्विसेज एलएलसी अमेरिका के सात प्रमुख वित्तीय संस्थानों– बैंक ऑफ अमेरिका, कैपिटल वन, जेपीमॉर्गन चेस, पीएनसी बैंक, ट्रुइस्ट, यूएस बैंक और वेल्स फार्गो के स्वामित्व में है।

अमेरिकी लेखक को जासूसी के संदेह में चीन ने हिरासत में लिया

बैंकॉक/एपी। म्यांमा और चीन की विदेश नीति पर लेखन कार्य करने वाले एक अमेरिकी विद्वान को चीन के अधिकारियों ने जासूसी के संदेह में हिरासत में लिया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि विद्वान मिन जिन पर ''चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली जासूसी गतिविधियों में शामिल होने'' का संदेह है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आरोपों में किसी अमेरिकी नागरिक की गिरफ्तारी चीन में असामान्य मानी जाती है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिका और चीन अपने तनावपूर्ण संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

13-06-2026 सूर्यास्त 6:35 बजे | 14-06-2026 सूर्योदय 5:42 बजे

BSE	NSE
75,527.95	23,622.90
(+1,695.41)	(+461.30)

सोना	चांदी
15,299 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	251,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

सिंधु का पानी आतंकवाद के संरक्षकों तक नहीं पहुंचने देगा भारत : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत के दुश्मनों को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के पास न केवल टीके हैं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल भी है।

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन की निंदा करते हुए शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार आतंकवाद प्रायोजित करने वालों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई की ओर से हैदराबाद में आयोजित 'इंटेलेक्चुअल मीट' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के ज़रिए सरकार ने दुनिया को दिखा दिया कि जो शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते, उन्हें उन्हीं की भाषा में कैसे जवाब दिया जाता है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' और सैनिकों की बहादुरी पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस और विपक्ष के अन्य नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने साफ़ कहा था कि अगर भारत के ख़िलाफ़ आतंकी हमले हुए, तो वह पाकिस्तान को अनाज और पानी की आपूर्ति रोक देगी।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''पहलगाम में आतंकी हमले के बाद, सिंधु जल संधि को रोकते हुए हमने कहा कि जिनकी आंखों के आंसू सूख चुके हैं, उन्हें हमसे पानी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। हम सिंधु का पानी आतंकवादियों के संरक्षकों और मानवता के दुश्मनों तक नहीं पहुंचने देंगे।''

सिंह ने कहा कि भारत दुनिया में एक ''विश्वसनीय साझेदार'' के रूप में उभरा है और उसने हमेशा आपदाओं का सामना करने वाले देशों की मदद की है।

उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान कई देशों को भारत द्वारा दी गई सहायता का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर में भारत को ''विश्व बंधु'' के रूप में देखा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के दुश्मनों को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश के पास न केवल टीके हैं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को एक खास परिवार की जागीर मानती है। एक लेखक का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2014 से पहले कहा करते थे कि ''2024 में उनका समय आएगा।''

सिंह ने कहा कि इससे पता चलता है कि राहुल गांधी का मानना था कि लोगों का भरोसा जीतने के लिए कड़ी मेहनत करने के बजाय उन्हें अपने समय का इंतज़ार करना चाहिए। सिंह ने कहा कि एक तरफ़ भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी हैं, और दूसरी तरफ़ अन्य; यही दोनों के बीच का फ़र्क है।

स्पेसएक्स की जोरदार सूचीबद्धता के साथ

मस्क बने दुनिया के पहले 'ट्रिलियनियर'

न्यूयॉर्क/एपी। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में अपनी सूचीबद्धता के दिन 23 प्रतिशत की जोरदार उछाल दर्ज की। इसके साथ कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क दुनिया के पहले 'ट्रिलियनियर' बन गए। 'ट्रिलियनियर' का मतलब ऐसे व्यक्ति से है जिसके पास एक लाख करोड़ डॉलर की संपत्ति है। मस्क से पहले कोई भी व्यक्ति इतनी संपत्ति नहीं हासिल कर पाया था। मस्क की कंपनी स्पेसएक्सल के शेयर 150 डॉलर के भाव पर खुले जो निर्गम मूल्य से 11 प्रतिशत अधिक है। थोड़ी देर में ही इसके शेयर का भाव बढ़कर 166.90 डॉलर तक पहुंच गया। इस स्तर पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण करीब 2.18 लाख करोड़ डॉलर आंका गया। इसके साथ ही फोर्ब्स ने अनुमान जताया कि मस्क की कुल संपत्ति बढ़कर 1.1 लाख करोड़ डॉलर हो गई है। संस्थागत और खुदरा निवेशकों ने 135 डॉलर प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 55.56 करोड़ शेयर खरीदने में रुचि दिखाई, जिससे कंपनी ने 75 अरब डॉलर जुटाए। यह 2019 में सऊदी अरामको के 26 अरब डॉलर के रिकॉर्ड आईपीओ से काफी अधिक है।

ओडिशा के सरकारी संस्थानों में

किंडरगार्टन से स्नातकोत्तर तक मुफ्त पढ़ाई होगी : माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में बाल वाटिक (किंडरगार्टन) से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक की पढ़ाई मुफ्त होगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को यहां यह घोषणा की।

माझी ने ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक सवांददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस कदम से राज्य के सभी विद्यार्थियों, विशेषतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और लड़कियों को फायदा होगा।

उन्होंने कहा, ''शिक्षा को वास्तव में निशुल्क और सबके लिए सुलभ बनाने के लिए, मेरी सरकार बाल वाटिका से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा को पूरी तरह मुफ्त करने की घोषणा कर रही है।''

अमेठी पंचायत मतदाता सूची से स्मृति ईरानी का नाम गायब, जांच के आदेश

अमेठी/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मेदान मवई गांव की पंचायत मतदाता सूची से गायब पाया गया जबकि उनका नाम क्षेत्र की लोकसभा और विधानसभा मतदाता सूची में मौजूद था। अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि उन्होंने मामले की जांच के आदेश दे दिये हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी ने 2019 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मेदान मवई गांव में अपना आवास बनाया।

जांच राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के अनुसार

एआई-171 विमान दुर्घटना की जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि पिछले वर्ष हुई एआई–171 विमान दुर्घटना की जांच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के अनुसार पेशेवर तरीके से जारी है।

एअर इंडिया की उड़ान एआई–171 के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना को एक साल हो गया है। लंदन जा रही एआई–171 उड़ान पिछले साल 12 जून की दोपहर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में 260 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 241 यात्री और चालक दल के सदस्य तथा जमीन पर मौजूद 19 लोग शामिल थे। विमान में सवार केवल एक यात्री जीवित बचा था।

नायडू ने कहा, '' हम दुर्घटना के कारणों का संपूर्ण, वस्तुनिष्ठ निर्धारण करने और विमानन सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

उनकी यह टिप्पणी इस पृष्ठभूमि में आई है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा इस दुर्घटना की जांच पर एक अंतरिम रिपोर्ट जारी किये जाने की उम्मीद है।

नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, हम एअर इंडिया की उड़ान एआई–171 दुर्घटना का एक वर्ष पूरा होने पर उन सभी लोगों को याद कर रहे हैं, जिन्होंने अपनी जान गंवाई और उनके परिवारों तथा प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।'' उन्होंने कहा कि इस हादसे की जांच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं के अनुसार पेशेवर तरीके से जारी है।

पाकिस्तान में गरीबी सात प्रतिशत बढ़ी

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान में पिछले छह वर्षों में गरीबी सात प्रतिशत बढ़ गई है जिससे लगभग 2.7 करोड़ लोग गरीबी के दायरे में आ गए हैं और इसके साथ ही देश में कुल गरीबों की संख्या बढ़कर सात करोड़ हो गई है। देश के राष्ट्रीय आर्थिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26, को बृहस्पतिवार को वार्षिक प्रक्रिया के तहत जारी किया गया। यह प्रक्रिया संघीय बजट पेश किए जाने से पहले आर्थिक संकेतकों को साझा करने के लिए की जाती है। इस सर्वेक्षण में सामने आया है कि वर्ष 2018–19 में गरीबी का स्तर 21.9 प्रतिशत था, जो 2024–25 में बढ़कर 28.9 प्रतिशत हो गया।

तमिलनाडु में धान किसानों के लिए 134.83 करोड़ का विशेष पैकेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दक्षिण–पश्चिम मानसून में देरी के कारण धान किसानों पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए शुक्रवार को 134.83 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की घोषणा की। यह पैकेज कावेरी डेल्टा के तंजावुर, तिरुवरूर और नागपट्टिनम जिलों के साथ–साथ अन्य जिलों के किसानों को भी मिलेगा।

इसका उद्देश्य किसानों को जून में बोई जाने वाली और सितंबर में काटी जाने वाली अल्पावधि धान फसल 'कुरुवई' की खेती में सहायता देना है। यह पैकेज अप्रैल और मई में शुरू होने वाले कार और सोरनावरी मौसम की 120 दिन की धान फसल की खेती में भी मदद करेगा।

आमतौर पर खेती के लिए हर साल 12 जून को मेट्टूर बांध से पानी छोड़ा जाता है। लेकिन मौसम विभाग द्वारा सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताए जाने और दक्षिण–पश्चिम मानसून में देरी के कारण इस बार बांध से पानी नहीं छोड़ा जा सका।

नाविकों की मौत को लेकर बोले राहुल

'कंप्रोमाइज्ड पीएम' भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि ''कंप्रोमाइज्ड पीएम'' भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते क्योंकि इन बेटों की जान लेने वालों को नाराज करने की ''इनमें न हिम्मत है, न ताकत।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''अन्तरराष्ट्रीय जल (क्षेत्र) में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे कंप्रोमाइज्ड (दबाव में आ चुके) पीएम... एक शब्द तक नहीं कहा।

एआई-171 हादसा: एक साल बाद भी नहीं मिले सवालों के जवाब

अहमदाबाद/भाषा। एअर इंडिया की उड़ान एआई–171 के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना को एक साल बीत चुका है लेकिन इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो चुके परिवार आज भी अपने सवालों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

जांचकर्ताओं ने 260 लोगों की जान लेने वाली इस त्रासदी के कारणों पर अंतिम जांच रिपोर्ट अब तक जारी नहीं की है।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने पिछले साल जुलाई में अंतरिम रिपोर्ट जारी की थी लेकिन उसमें हादसे का कारण नहीं बताया गया था। हालांकि, रिपोर्ट के एक पैराग्राफ में यह संकेत दिया गया था कि उड़ान भरने के बाद विमान के इंजनों के ईंधन स्विच बंद हो गए थे।

कई परिवारों के लिए यह इंतजार बेहद पीड़ादायक रहा है। वे इस त्रासदी में खोए अपने प्रियजनों की यादों के सहारे जी रहे हैं लेकिन उनके मन में उठ रहे सवालों के जवाब उन्हें अब भी नहीं मिले हैं। अंतिम रिपोर्ट नहीं आने के कारण उनका दुख और गहरा गया है क्योंकि उन्हें अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा आखिर क्यों हुआ।

अंतरराष्ट्रीय विमानन नियमों के तहत, यदि संभव हो तो किसी विमान हादसे की अंतिम जांच रिपोर्ट एक साल के भीतर जारी की जानी चाहिए और यदि रिपोर्ट पूरी नहीं हो पाती तो अंतरिम बयान जारी किया जा सकता है।

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने आठ मई को कहा था कि इस हादसे की जांच अंतिम चरण में है और रिपोर्ट एक महीने के भीतर आ सकती है।

हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पण

जन्म 08.02.1945 | स्वर्गवास 07.06.2026

स्व. श्री नन्दकिशोर जी मालू

पूर्वाध्यक्ष : माहेश्वरी सभा, बेंगलूरु 1992–97

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में हमेशा जलते रहेंगे।
प्रण यही है हमारा, आपके प्रदर्शित पथ पर हम हमेशा चलते रहेंगे।

श्रद्धावनत

समस्त पूर्व अध्यक्ष माहेश्वरी सभा, बेंगलूरु

- श्रीराम साबू – 1974 संस्थापक एवं 1986–1988
- इन्दरचन्द बागड़ी – वर्ष 1982–1984
- रामगोपाल मून्दड़ा – वर्ष 1988–1992
- राजाराम भूतड़ा – वर्ष 1997–1999
- नंदकिशोर राठी – वर्ष 1999–2003
- गौरीशंकर सारड़ा – वर्ष 2003–2007
- विजय कुमार साबू – वर्ष 2007–2011
- देवकीनंदन डागा – वर्ष 2011–2013
- सुरेश कुमार लखोटिया – वर्ष 2013–2015
- बसंत कुमार सारड़ा – वर्ष 2015–2019
- निर्मल कुमार तापड़िया – वर्ष 2019–2023
- नवल किशोर मालू – वर्ष 2023–2025
- भगवानदास लाहोटी – वर्तमान

समस्त माहेश्वरी सभा परिवार की हार्दिक श्रद्धांजलि

शाह ने एजेंसियों को अमरनाथ यात्रा के दौरान अभेद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा मार्ग और पर्यटन स्थलों पर शांतिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर एक बहु-स्तरीय और अभेद्य सुरक्षा घेरा बनाना चाहिए।

शाह ने तीन जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे, निगरानी प्रणाली और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो (आईबी) प्रमुख तपन कुमार डेका और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह के अलावा अन्य वरिष्ठ सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारी

शामिल हुए। हिमालय पर्वतमाला में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की 57 दिन की तीर्थयात्रा के लिए भारी सुरक्षा इंतजाम की जरूरत होती है, जिसमें केंद्र और जम्मू-कश्मीर की एजेंसियां मिलकर काम करती हैं। तीर्थयात्री अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में छोटे, लेकिन अधिक ढलान वाले 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करेंगे। शाह ने निर्देश दिया कि यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और जानवरों का पंजीकरण किया जाए। क्यूआर कोड वाले पहचान पत्र जारी किए जाएं और यात्रियों के पंजीकरण से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तक हर पहलू पर उचित इंतजाम किए जाएं। शाह ने कहा कि सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को तीर्थयात्रा के दौरान शिविर स्थलों पर की गई व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी करनी चाहिए। तीर्थयात्रियों के पंजीकरण, ठहरने की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और आपदा प्रबंधन समेत सभी जरूरी सुविधाओं के लिए उचित इंतजाम सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

अमेजन की भारत में अपने ईवी बेड़े के विस्तार पर नजरें टिकीं

नई दिल्ली/ लंदन/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बेड़े को बढ़ाने के लिए विभिन्न साझेदारों के साथ मिलकर चार्जिंग एवं परिवहन विकल्पों का विस्तार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अमेरिकी कंपनी ने अगले पांच वर्षों में भारत में अपने परिचालन में 1,000 से अधिक इलेक्ट्रिक ट्रकों को शामिल करने की योजना बनाई है। ये ट्रक मौजूदा 10,000 इलेक्ट्रिक वाहनों के बेड़े में जुड़ेंगे। अमेजन के उपाध्यक्ष (वैश्विक इंजीनियरिंग एवं संवहनीयता) एंड्रियास मार्शनर ने सार्वजनिक ईवी चार्जिंग ढांचे की सीमित उपलब्धता पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि यह समस्या केवल भारत तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने बिजली उपलब्धता, ग्रिड क्षमता तथा चार्जिंग अवसंरचना से जुड़ी दिक्कतों का भी उल्लेख किया। मार्शनर ने बताया कि भारत में अमेजन के ईवी परिचालन का बड़ा हिस्सा आपूर्ति केंद्रों पर स्थापित चार्जिंग सुविधाओं के जरिए संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त क्षमता वाले सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार ईवी अपनाने और परिचालन दक्षता को बढ़ावा देगा।

मीशो 202 करोड़ रुपए में किराना क्लब का अधिग्रहण करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो व्यापारियों के बीच कारोबार (बी2बी) से जुड़े मंच 'किराना क्लब' का लगभग 202 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

मीशो ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सिंगापुर में पंजीकृत किराना क्लब प्राइवेट लिमिटेड और उसकी भारतीय अनुषंगी कंपनी 'रिटेल पल्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (आरपीएलपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने को मंजूरी दे दी है।

कंपनी के अनुसार, यह अधिग्रहण 31 मार्च, 2027 तक या उससे पहले तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। कंपनी ने कहा, मीशो लिमिटेड के निदेशक मंडल ने सिंगापुर के कानूनों के तहत स्थापित 'किराना क्लब प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी और भारत के कानूनों के तहत बनी 'किराना क्लब' की मौजूदा अनुषंगी कंपनी 'रिटेल पल्स लैब्स प्राइवेट लिमिटेड' की 0.41 प्रतिशत शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंज़ूरी दी है। यह खरीद कुल 2,02,08,52,202.40 रुपए की कीमत पर तीन किस्तों में की जाएगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस अधिग्रहण से ई-वाणिज्य परिवेश में उसकी मौजूदगी और क्षमताओं को मजबूती मिलेगी।

अधिग्रहण के बाद किराना क्लब, मीशो समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के रूप में स्वतंत्र रूप से काम करती रहेगी।

भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में अभी अल-नीनो की स्थितियां बनी हुई हैं : मौसम विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में फिलहाल अल नीनो की स्थितियां बनी हुई हैं तथा दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान इनके और मजबूत होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि पर वायुमंडल ने प्रतिक्रिया दी है और महासागर-वायुमंडल की संयुक्त प्रणाली अब अल नीनो स्थितियों के अनुरूप विशेषताएं दिखा रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, '' 'मानसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम' (एमएमसीएफएस) के पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अल नीनो की स्थितियां और मजबूत होंगी।'' इससे पहले अल नीनो की स्थितियां 2023 में विकसित हुई थीं। ये स्थितियां 2000 के बाद 2002, 2009 और 2015 में भी बनी थीं। अल नीनो भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के असामान्य रूप से गर्म होने की स्थिति है, जिसका असर दुनिया के मौसम और भारत के मानसून पर पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया के प्रभावित छात्रों के परीक्षा परिणामों पर नई नीति ला सकता है केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि वह पश्चिम एशिया के उन निजी विद्यार्थियों को राहत देने के लिए एक नीति लाने पर विचार कर रही है जिनके परीक्षा परिणाम क्षेत्र में जारी युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण सीबीएसई द्वारा घोषित नहीं किए जा सके हैं। निजी विद्यार्थी वे होते हैं जो किसी नियमित स्कूल के माध्यम से नहीं बल्कि सीधे परीक्षा बोर्ड (जैसे सीबीएसई) में पंजीकरण कराकर परीक्षा देते हैं।

न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की अवकाशकालीन पीठ को केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार इस संबंध में जल्द ही निर्णय लेने पर विचार कर रही है। मेहता ने कहा, ''यह एक व्यापक मुद्दा है। सरकार इसी तरह की स्थिति वाले विद्यार्थियों के लिए एक नीति तैयार करने पर विचार कर रही

है।'' इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 22 जून तक स्थगित कर दी। यह याचिका सऊदी अरब में रहने वाले प्रवासी छात्र प्रांशु जिगरकुमार पटेल ने दायर की है। पटेल ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को उसके 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में सुधार के बाद के परिणाम की घोषणा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। याचिका में सीबीएसई द्वारा परिणाम घोषित न किए जाने को चुनौती दी गई है, जबकि खाड़ी देशों में सुरक्षा स्थिति के कारण परीक्षाएं रद्द होने पर छात्रों के लिए एक विशेष मूल्यांकन योजना बनाई गई थी। सीबीएसई ने 13 मई को 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित किया था लेकिन याचिका के अनुसार पटेल का परिणाम घोषित नहीं किया गया और उनकी स्थिति ''आरएल'' (बाद में परिणाम) दिखाई गई। पटेल का कहना है कि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि सुधार परीक्षा में शामिल होने वाले निजी अभ्यर्थी भी इस मूल्यांकन योजना के दायरे में आते हैं या नहीं।

याचिका में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई देशों में परीक्षाएं रद्द होने से प्रभावित निजी अभ्यर्थियों को भी सीबीएसई की विशेष मूल्यांकन योजना का लाभ मिलना चाहिए। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। याचिका में कहा गया है कि परिणाम घोषित न होने के कारण पटेल की उच्च शिक्षा की संभावनाएं प्रभावित हुई हैं और वह विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के अवसरों से वंचित हो गए हैं। याचिका के अनुसार, पटेल ने 2026 की सीबीएसई की 12वीं कक्षा की सुधार परीक्षा में सऊदी अरब के अल जुबैल केंद्र से भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, अंग्रेजी और कंप्यूटर साइंस विषयों में निजी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा दी थी।

अदालत का 12वीं कक्षा के पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया पोर्टल को दोबारा खोलने का निर्देश देने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कांग्रेस की छात्र शाखा की एक जनहित याचिका पर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए पोर्टल को दोबारा खोलने का निर्देश देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति मधु जैन की अवकाश पीठ ने कहा कि यदि किसी छात्र को आपत्ति है तो वह व्यक्तिगत रूप से उचित कानूनी कार्रवाई कर सकता है। पीठ ने साथ ही कहा कि पोर्टल दो से सात जून तक खुला रहा और अगर उसे दोबारा खाला गया तो परिणाम घोषित करने की पूरी प्रक्रिया में देरी हो सकती है। पीठ ने कहा, ''आपके लिए यह एक सप्ताह है, लेकिन पूरी प्रक्रिया में एक महीने की देरी हो जाती है... आप समझ नहीं रहे हैं। यह केवल एक कदम नहीं है।'' पीठ ने कहा, '' मैं (पीठ) कोई और निर्देश नहीं दूंगा। जो भी व्यक्ति प्रभावित है, वह व्यक्तिगत रूप से अदालत का रुख कर सकता है।'' नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की ओर से पेश वकील ने अदालत से अनुरोध किया कि पोर्टल को कुछ और दिनों के लिए फिर से खोला जाए। वहीं, अधिकारियों की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रभावित छात्रों ने पहले ही अपनी आपत्तियां दर्ज करा दी हैं और विवादित उत्तर पुस्तिकाओं पर विचार किया जा रहा है। मेहता ने कहा कि यह जनहित याचिका 'बहुत सामान्य धारणाओं' पर आधारित है और यदि एनएसयूआई का अनुरोध स्वीकार कर लिया जाता है, तो 17 लाख से अधिक स्नातक छात्रों के दाखिले पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

तीनों सरकारें मिलकर दिल्ली के विकास की रुकावटों को हटा रही हैं : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में तीनों सरकारें मिल कर काम कर रही हैं और इस तरह दिल्ली के विकास में आने वाली कई रुकावटों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लाइसेंसिंग प्रक्रिया से पुलिस की अनिवार्यता को, पिछले साल केंद्र के माध्यम से खत्म किया गया। उन्होंने ज़ोर दिया कि नियमों का पालन किया जाना चाहिए और जो कोई भी नियमों का पालन नहीं करेगा, वह उनका खामियाजा भुगतेगा।

केंद्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर यहां प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तीनों सरकारें (केंद्र, दिल्ली, एमसीडी) मिल कर काम करती हैं, तो बहुत सी रुकावटें हट जाती हैं। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण के कामकाज को ज्यादा व्यवस्थित, आसान और बेहतर तालमेल वाला बनाया जा रहा है, ताकि काम तेजी से और बिना रुकावट के हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली के तीन कूड़ा पहाड़ों को 2028 तक हटाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से बीते 12 साल में दिल्ली को सड़क अवसंरचना समेत कई क्षेत्रों में वित्तीय मदद मिली है। गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने जीटीबी अस्पताल में 200 करोड़ रुपए की लागत से ट्रॉमा सेंटर बनाने को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने कुछ समय पहले एक केंद्रीय विद्यालय को मंजूरी दी है तथा और केंद्रीय विद्यालय को मंजूरी दिलाने की कोशिशें जारी हैं।

मोदी सरकार ने विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए मजबूत नींव रखी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 12 वर्ष विकास और जनकल्याण के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे नड्डा ने कहा कि इन परिवर्तनकारी वर्षों ने वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हिमाचल प्रदेश इकाई द्वारा ''विश्वास, विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष'' अभियान के तहत आयोजित 'बौद्धिक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि देश ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास देखा है और सरकार के 4,399 दिनों को भारत के इतिहास के ''स्वर्णिम युग'' के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारतीय राजनीति जातिवाद, वंशवाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के इर्द-गिर्द घूमती थी तथा आम लोगों की धारणा थी कि सरकार

तो बदल सकती है, लेकिन शासन व्यवस्था नहीं बदलती। नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने राजनीति को सेवा, जवाबदेही और सुशासन का माध्यम बनाकर इस सोच को बदल दिया। नड्डा ने कहा, ''जब भारत ने आजादी के 75 साल पूरे किए, तब प्रधानमंत्री मोदी ने 'अमृतकाल' की परिकल्पना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प प्रस्तुत किया। इससे लोगों में यह विश्वास पैदा हुआ कि आम नागरिक भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा सकते हैं और सरकार उनकी बात सुनेगी।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास'' के मंत्र के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित करते हुए जनता का विश्वास जीता है। नड्डा ने दावा किया कि इस अवधि में हुए 75 प्रमुख चुनावों में भाजपा और राजग ने 43 चुनावों में जीत दर्ज की तथा वर्तमान में देश की 78 प्रतिशत आबादी भाजपा और राजग शासित राज्यों में निवास करती है। जम्मू-कश्मीर से संबंधित संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को निरस्त करना, अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक की प्रथा समाप्त करना और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करना ऐसे ऐतिहासिक निर्णय हैं, जिन्हें पूर्ववर्ती सरकारों ने राजनीतिक कारणों से टाल रखा था। सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए नड्डा ने कहा कि रेलवे विद्युतीकरण में 200% से अधिक वृद्धि हुई है।

घुटने के सफल ऑपरेशन के बाद दलाई लामा को अस्पताल से छुट्टी दी गई

नई दिल्ली/भाषा। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को इस सप्ताह की शुरुआत में बाएं घुटने का सफल प्रत्यारोपण कराने के बाद शुक्रवार को यहां स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनके आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर यह जानकारी दी गई है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि दलाई लामा का आठ जून को नई दिल्ली में ऑपरेशन किया गया था और उपचार के दौरान उनकी स्थिति पूरी तरह स्थिर बनी रही।

दलाई लामा के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए बयान में मल्होत्रा ने कहा, ''दलाई लामा की हालत स्थिर है और शुक्रवार सुबह उन्हें छुट्टी दे दी गई।'' उन्होंने कहा कि दलाई लामा की निजी चिकित्सा टीम उपचार के दौरान अस्पताल के प्रशासनिक और चिकित्सा कर्मचारियों के साथ निकट समन्वय में रही।

कांग्रेस एक 'डूबता जहाज' जिस पर कोई विपक्षी दल सवार नहीं होना चाहेगा : फडणवीस का आरोप

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस एक 'डूबता जहाज' है और उन्हें नहीं लगता कि कोई भी विपक्षी दल इस पर सवार होना चाहेगा।

फडणवीस ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कांग्रेस में विलय को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि विपक्ष के एकजुट होने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए राजनीतिक रूप से अधिक गुंजाइश बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है और डूबते हुए जहाज पर कोई कदम नहीं रखता। लेकिन अगर कोई ऐसा करता है, तो हमारा कुछ भी नुकसान नहीं होगा।'' फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाया है।

उन्होंने कहा, ''अगर विपक्षी दल 'डूबते जहाज' कांग्रेस में शामिल भी हो जाते हैं, तो हमारे लिए राजनीतिक तौर पर और गुंजाइश बनेगी।'' बुधवार को शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने सुझाव दिया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) जैसे दल, जिनकी स्थापना उसके नेताओं ने कांग्रेस से अलग होने के बाद की, उन्हें कांग्रेस में पुन: शामिल हो जाना चाहिए ताकि भाजपा का मजबूत विकल्प तैयार किया जा सके।

पेट्रोल पंप से थोक खरीद पर रोक, डीजल की बिक्री पर प्रति वाहन 200 लीटर की सीमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति में बाधा के बीच स्थानीय स्तर पर कमी रोकने के लिए एक वाहन को प्रतिदिन अधिकतम 200 लीटर डीजल देने की सीमा तय कर दी है। साथ ही औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं के पेट्रोल पंप से पेट्रोल-डीजल खरीदने पर रोक लगा दी है। आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई।

खुदरा बिक्री केंद्र डीजल केवल वाहन के टैंक में या पीईएसओ-स्वीकृत कंटेनर में ही बेच सकते हैं और प्रति ग्राहक या वाहन प्रतिदिन 200 लीटर से अधिक बिक्री नहीं कर सकते।

साथ ही, औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं को अब खुदरा बिक्री केंद्रों से पेट्रोल या डीजल खरीदने की अनुमति नहीं होगी। उन्हें अपनी आवश्यकता के लिए

ईंधन उनके लिए निर्धारित अपने उपभोक्ता पंप से ही लेना होगा।

यह प्रतिबंध अधिकतम 90 दिन तक लागू रहेगा जिसे कुछ क्षेत्रों में विशेष रूप से डीजल की असामान्य मांग में वृद्धि के बाद लगाया गया है। थोक उपभोक्ताओं ने मूल्य अंतर के कारण पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदना शुरू कर दिया था। दिल्ली में जहां पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत 95.20 रुपए प्रति लीटर है, वहीं थोक बिक्री के लिए यह 134.50 रुपए प्रति लीटर है।

यह अंतर इसलिए उत्पन्न हुआ क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने खुदरा उपभोक्ताओं को पश्चिम एशिया संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल से बचाने के लिए खुदरा कीमतों को नियंत्रित रखा है।

वहीं दूरसंचार टावर और बिजली उत्पादन जैसे कार्यों के लिए डीजल इस्तेमाल करने वाले औद्योगिक उपभोक्ताओं से बाजार दर वसूली जाती है जबकि खुदरा पंप दरें लागत से काफी कम हैं।

परिवहन एवं लॉजिस्टिक व्यवसाय से जुड़ी कंपनियों और राज्य सड़क परिवहन बसों जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ता भी अपनी जरूरतों के लिए पेट्रोल पंप से ईंधन ले रहे थे जिससे कुछ क्षेत्रों में मांग में असामान्य वृद्धि हुई।

कीमतों के इस अंतर के कारण बिक्री तरीके में भी बदलाव हुआ और बिक्री का एक हिस्सा निजी क्षेत्र के बिक्री केंद्रों से हटकर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के पेट्रोल पंपों की ओर चला गया।

मई में सरकारी तेल कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल की पेट्रोल बिक्री में 4.8 प्रतिशत और डीजल बिक्री में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 11 जून को 'मोटर स्पिरिट एंड हाई स्पीड डीजल' (खुदरा बिक्री केंद्र के माध्यम से आपूर्ति का अस्थायी विनियमन) आदेश, 2026' जारी किया। इसके तहत थोक खरीद पर 90 दिन तक रोक लगाने का प्रावधान किया गया है।

सरकार ने कहा कि यह कदम 'वर्तमान वैश्विक स्थिति' के कारण उठाया गया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, शिपिंग लॉजिस्टिक और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता को प्रभावित किया है।

होटल रिसेप्शनिस्ट ने अतिथि का फोन चुराया, 1.10 लाख रुपए स्थानांतरित किए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक शख्स का मोबाइल फोन चुराने और ऑनलाइन माध्यम से उसके बैंक खाते से अनधिकृत तौर पर 1.10 लाख रुपए स्थानांतरित करने के आरोप में एक होटल के 20 वर्षीय रिसेप्शनिस्ट को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी की पहचान पंजाब में मोहाली निवासी बवनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है और आरोपी के बैंक खाते में जमा एक लाख रुपए भी 'फ्रीज' कर दिए हैं। एक व्यक्ति ने अपना मोबाइल फोन चोरी होने और ऑनलाइन माध्यम से उसके बैंक खाते से अनधिकृत रूप से 1.10 लाख रुपए हस्तांतरित करने के आरोप में मामला दर्ज कराया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी रोहिणी के एक होटल में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करता है।

चेन्नई डिवीजन ने 71 वें रेलवे सप्ताह समारोह-2026 में छह प्रतिष्ठित विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यात्री सेवाओं, रेलवे संचालन और अवसंरचना विकास में अपने प्रदर्शन की एक बड़ी मान्यता के रूप में, दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 71 वें रेलवे सप्ताह समारोह–विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2026 में छह प्रतिष्ठित दक्षता शील्ड जीते हैं। चेन्नई के डॉ. बी.आर. अंबेडकर अरंगम, आईसीएफ में कल आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए पुरस्कारों में चेन्नई डिवीजन की उन प्रमुख क्षेत्रों में उपलब्धियों को मान्यता दी गई, जो लाखों रेल उपयोगकर्ताओं को सीधे प्रभावित करते हैं, जिनमें यात्री सुविधाएं, ट्रेन संचालन, बुनियादी ढांचे का रखरखाव, वाणिज्यिक प्रदर्शन और ऊर्जा संरक्षण शामिल हैं।

इस विभाग ने वाणिज्यिक दक्षता शील्ड, इंजीनियरिंग दक्षता शील्ड, मानव संसाधन नियोजन दक्षता शील्ड, विद्युत ऊर्जा संरक्षण शील्ड और यात्री सुविधा कार्य शील्ड हासिल की, साथ ही सेलम और मदुरै डिवीजनों के साथ परिचालन दक्षता शील्ड साझा की। यह सम्मान चेन्नई डिवीजन द्वारा स्टेशनों के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं में सुधार और पूरे नेटवर्क में परिचालन दक्षता को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों के बीच आया है। पिछले एक वर्ष में, डिवीजन ने स्टेशन के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, ग्राहक अनुभव को सुधारने, स्थिरता को बढ़ावा देने और सुरक्षित एवं अधिक विश्वसनीय ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस प्रभाग की सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, चार वरिष्ठ अधिकारियों और नौ कर्मचारियों सहित 13 कर्मचारियों को दक्षिणी रेलवे में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। छह पुरस्कारों की यह उपलब्धि देश के सबसे व्यस्त रेल नेटवर्क में से एक को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए स्टेशनों, पटरियों, रखरखाव इकाइयों और परिचालन विभागों में काम करने वाले हजारों रेलवे कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है।

चेन्नई डिवीजन दक्षिणी रेलवे के यात्री और उपनगरीय यातायात का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, और ये सम्मान जनता को बेहतर सेवाएं, उन्नत बुनियादी ढांचा और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने में इसकी बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हैं।

तमिलनाडु में धान किसानों के लिए 134.83 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दक्षिण–पश्चिम मानसून में देरी के कारण धान किसानों पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए शुक्रवार को 134.83 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की घोषणा की। यह पैकेज कावेरी डेल्टा के तंजावुर, तिरुवरूर और नागपट्टिनम जिलों के साथ–साथ अन्य जिलों के किसानों को भी मिलेगा। इसका उद्देश्य किसानों को जून में बोई जाने वाली और सितंबर में काटी जाने वाली अल्पावधि धान फसल 'कुरुवई' की खेती में सहायता देना है।

यह पैकेज अप्रैल और मई में शुरू होने वाले कार और सोरनावरी मौसम की 120 दिन की धान फसल की खेती में भी मदद करेगा। आमतौर पर खेती के लिए हर साल 12 जून को मेट्टूर बांध से पानी छोड़ा जाता है। लेकिन मौसम विभाग द्वारा सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताए जाने और दक्षिण–पश्चिम मानसून में देरी के कारण इस बार बांध से पानी नहीं छोड़ा जा सका।

राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मेट्टूर बांध का जलस्तर फिलहाल 79.56 फुट है, इसलिए अभी पानी छोड़ना संभव नहीं है। पानी छोड़े जाने में देरी के कारण कावेरी डेल्टा क्षेत्र में सामान्य रूप से होने वाली पांच लाख एकड़ खेती प्रभावित हुई है। हालांकि अधिकारियों का अनुमान है कि भूजल स्रोतों की मदद से 3.55 लाख एकड़ क्षेत्र में खेती की जा सकती है। राज्य सरकार ने इस विशेष पैकेज में से 77.50 करोड़ रुपये डेल्टा क्षेत्र के किसानों के लिए और 57.33 करोड़ रुपये अन्य जिलों के किसानों के लिए निर्धारित किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पैकेज मौजूदा मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद किसानों की आजीविका की रक्षा करेगा, उत्पादन बढ़ाएगा और राज्य की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाएगा। योजना के तहत किसानों को जैव उर्वरक, धान के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व वाले उर्वरक और बीज पर सहायता दी जाएगी। साथ ही खेती की आय और उत्पादन बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने कोल्लूर मूकांबिका मंदिर में दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु/उडुप्पी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कोल्लूर स्थित मूकांबिका देवी मंदिर में दर्शन–पूजन किया। रुक–रुककर हो रही बारिश के बावजूद मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा गया। मंदिर अधिकारियों ने उनके स्वागत में 'पूर्ण कुंभ' की परंपरा निभाई।

मंदिर प्रशासन समिति के अध्यक्ष बाबू हेगड़े और अन्य पदाधिकारियों ने विजय की अगवानी की। मंदिर परिसर में पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। गर्भगृह में प्रवेश से पहले मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं द्वारा निभाई जाने वाली परंपरा के अनुसार मंदिर के ध्वजस्तंभ पर पूजा–अर्चना की। इसके बाद मंदिर के पुजारी उन्हें गर्भगृह में ले गए, जहां मंदिर की परंपराओं के अनुसार विशेष पूजा और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए गए।

मंदिर के मुख्य पुजारी रामचंद्र अडिगा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री की ओर से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। सूत्रों के अनुसार, विजय लगभग 20 मिनट तक मंदिर में रहे। उन्होंने मूकांबिका देवी की पूजा की और चढ़ावे के रूप में देवी को चांदी की एक तलवार अर्पित की।

इस दौरान पुजारियों ने विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए और मुख्यमंत्री की कलाई पर कलावा बांधा। विजय ने देवी के दर्शन से पहले पुजारियों द्वारा कराए गए

संकल्प अनुष्ठान में भी भाग लिया। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर और उसके आसपास जुट गए। अभिनेता से नेता बने विजय की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्सुकता दिखाई दी। भीड़ प्रबंधन के लिए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे।

अधिकारियों के अनुसार, विजय नयी दिल्ली से विशेष विमान (वीटी–वीएसवी) से अपराह्न एक बजकर 20 मिनट पर मंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। वहां से वह सड़क मार्ग से कोल्लूर के लिए रवाना हुए। लगभग 120 किलोमीटर की यात्रा तय कर वह उडुपी जिले के बिंदूर तालुक स्थित इस प्रसिद्ध मंदिर पहुंचे और पूजा–अर्चना की। उनकी सुरक्षा के लिए कर्नाटक पुलिस के जवान तैनात रहे, जबकि तमिलनाडु से आई विशेष सुरक्षा टीम भी उनके साथ मौजूद रही।

मंगलूरु पुलिस के सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु पुलिस के 45 जवान पहले ही पहुंच चुके थे। उन्होंने मुख्यमंत्री की यात्रा के मद्देनजर दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिला पुलिस के अधिकारियों के साथ मिलकर व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए। मुख्यमंत्री के काफिले में सुरक्षा और पायलट वाहनों के अलावा आठ अन्य वाहन शामिल थे। मंगलुरु से कोल्लूर तक पूरे मार्ग पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी तथा प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। कोल्लूर स्थित मूकांबिका देवी मंदिर दक्षिण भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक माना जाता है। कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में इसके लाखों श्रद्धालु हैं।

विजय की इस यात्रा को एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक गतिविधि के रूप में देखा जा रहा है, विशेषकर इसलिए क्योंकि दक्षिण भारत के कई प्रमुख नेताओं और हस्तियों का इस मंदिर से लंबे समय से जुड़ाव रहा है। तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन और जे. जयललिता भी नियमित रूप से इस मंदिर में दर्शन के लिए आती थीं।

412 अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के आवडी में शुक्रवार को वायुसेना मैकेनिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में 412 अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड हुई। ऑटोमोबाइल टेक्नीशियन ट्रेड के इन अग्निवीरवायु प्रशिक्षुओं ने 18 हफ़्ते का ट्रेड फ़ेज़ प्रशिक्षण पूरा किया है।

वायुसेना के ट्रेनिंग कमांड मुख्यालय में कमांड टेक्निकल ट्रेनिंग ऑफिसर एयर वाइस मार्शल अतुल लक्ष्मणदास गोलानी ने रिव्यूइंग ऑफिसर के तौर पर इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने

परेड में दिखाई गई सटीकता, अनुशासन और समर्पण की सराहना की। उन्होंने अलग–अलग कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेधावी प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया। अग्निवीर वायु प्रशिक्षु जाधव वैष्णव राजू को 'बेस्ट ऑल–राउंडर' ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

एयर वाइस मार्शल गोलानी ने सभी अग्निवीरवायु से आग्रह किया कि वे वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के लगातार बदलते स्वरूप को समझते हुए सतर्क और परिस्थितियों के अनुसार ढलने में सक्षम रहें तथा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहें।

उन्होंने कहा कि सौंपे गए सभी कामों को पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ करने के लिए तैयार रहें। साथ ही, नए प्रोफेशनल स्किल्स सीखने के लिए हमेशा तैयार रहें।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने सावधि जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक, इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने अपनी देशीय अप्रतिदेय सावधि जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी की घोषणा की है। यह निर्णय बैंक की हाल ही में परिसंपत्ति देयता समिति (एएलसीओ) की हुई बैठक में बदलते बाजार स्थितियों के अनुरूप लिया गया है। नई दरें 444–दिन की प्रचलित अवधि सहित कुछ चुनिंदा मध्यम अवधि के कार्यकाल पर बेहतर रिटर्न प्रदान करती है इसे यह तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। अप्रतिदेय सावधि जमा ऐसे विशेष खाते हैं, जो उन बचतकर्ताओं और जमाकर्ताओं के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो प्रीमियम रिटर्न के लिए, परिपक्वता अवधि तक अपनी धनराशि बैंक में रखने और बीच में निकासी न करने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

एएलसीओ के निर्देशानुसार, बैंक ने तीन विशिष्ट समय–सीमाओं के लिए ब्याज दरों में 10 बेसिस प्वाइंटस (0.10 प्रतिशत) की ब्याज दर वृद्धि कार्यान्वित की है।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
Good People to Grow with

नियमित सावधि जमा (जिसमें समय से पहले पैसे निकालने की सुविधा होती है), एनआरओ खाता और एनआरई सावधि जमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सामान्य नागरिकों के लिए इन अप्रतिदेय सावधि जमा की अवधियों पर अद्यतित नई ब्याज दर वार्षिक 1 वर्ष 6.60% से ,6.70% की गई है। एक वर्ष से ज्यादा और 2 वर्ष से कम (444 दिन को छोड़कर) 6.50 से 6.60 प्रतिशत। 444 दिन 6.65 से 6.75% हो गई है । जबकि पात्र वरिष्ठ नागरिकों (60 साल और उससे ज्यादा उम्र के) को 0.50 प्रतिशत की मानक अतिरिक्त ब्याज दर मिलती रहेगी, और अति वरिष्ठ नागरिकों (80 साल और उससे ज्यादा उम्र के) को ऊपर बताई गई बदली हुई आधार दरों पर 0.75 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलता रहेगा।

बेंगलूरु में तीन सितंबर से शुरू होगा ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र

नई दिल्ली/बेंगलूरु। ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र तीन सितंबर से बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा। लीग आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। टेक महिंद्रा और शतरंज की वैश्विक संचालक फिडे की संयुक्त पहल के रूप में शुरू हुई ग्लोबल शतरंज लीग ने शतरंज के पारंपरिक प्रारूप में कई नए बदलाव किए हैं। इसमें फ्रेंचाइजी आधारित टीमें, मिश्रित (पुरुष और महिला) टीम संयोजन तथा तेज गति वाले मुकाबलों का प्रारूप शामिल है। चौथे सत्र में भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टीम आधारित प्रारूप में खिताब के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल शतरंज लीग की स्थापना शतरंज को वास्तव में एक वैश्विक दर्शक खेल बनाने के उद्देश्य से की गई थी। चौथे सत्र का बेंगलूरु में आयोजन लीग के साथ–साथ खेल के विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण क्षण है। यहीं से शतरंज के नए अध्याय की शुरुआत होगी। फिडे अध्यक्ष आर्कादी द्वोरकोविच ने कहा, हमें ग्लोबल शतरंज लीग के चौथे सत्र को बेंगलूरु में आयोजित करते हुए खुशी हो रही है। भारत वैश्विक शतरंज आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और बेंगलूरु इस गति को आगे बढ़ाने के लिए आदर्श मंच प्रदान करता है। पिछले सत्रों में भारत के शीर्ष ग्रैंडमास्ट आर. प्रज्ञानानंदा, डी. गुकेश और महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद भी इस लीग का हिस्सा रह चुके हैं।

सुगाथन को हरसंभव कानूनी सहायता देगी भाजपा : राजीव चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी अपने गिरफ्तार पार्षद सुगाथन को हरसंभव सहयोग और कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगी। सुगाथन को हाल ही में राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम से नाटकीय घटनाक्रम के बीच गिरफ्तार किया गया था। वझोट्टुकोणम वार्ड से तिरुवनंतपुरम निगम के पार्षद सुगाथन के खिलाफ की गई कार्रवाई को ''राजनीतिक प्रतिशोध' करार देते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि पार्टी उन्हें पुलिस तंत्र के इस ''खुले दुरुपयोग'' से बचाएगी।

भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष ने फेसबुक पर एक पोस्ट में दावा किया कि उनकी पार्टी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की तरह नहीं है, जो अपने नेताओं से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूछताछ किए जाने पर हिंसा और तोड़फोड़ का सहारा लेती है। नेमोम विधानसभा क्षेत्र से विधायक चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा कानून के शासन और संविधान का सम्मान करती है तथा सुगाथन के खिलाफ की गई कार्रवाई का कानूनी तरीके से सामना करेगी।

उन्होंने कहा, ''हम अपने कार्यकर्ताओं या जनप्रतिनिधियों का परित्याग नहीं करेंगे।''

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र और कानून का दुरुपयोग कर भाजपा को निशाना बनाने के मामले में माकपा और कांग्रेस दोनों एक जैसी हैं। वट्टियूरकावु की पार्षद और केरल की पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर श्रीलेखा ने भी अपने पार्टी सहयोगी सुगाथन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। श्रीलेखा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में दावा किया कि वट्टियूरकावु क्षेत्र में विभिन्न कथित अवैध गतिविधियों पर सवाल उठाने के कारण माकपा नेताओं के निर्देश पर पुलिस ने सुगाथन के खिलाफ कई मामले दर्ज किए और उन्हें अपराधी के रूप में पेश किया।

उन्होंने कहा, ''लोग यह बात जानते थे और इसी कारण उन्होंने स्थानीय निकाय चुनाव में उन्हें वोट दिया।'' श्रीलेखा ने यह भी दावा किया कि केरल में सरकार बदलने के बावजूद स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और आज भी पुलिस, जिला प्रशासन तथा अन्य अधिकारी माकपा के 'गुलाम' की तरह काम कर रहे हैं। सुगाथन को केरल असामाजिक गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (कापा) के तहत निरोधात्मक हिरासत का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मंगलवार रात राज्य की राजधानी स्थित उनके घर से नाटकीय घटनाक्रम के बीच गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस को गिरफ्तारी के दौरान एकत्र भीड़ को तितर–बितर करने और हिंसा रोकने के लिए हवा में गोलीबारी करनी पड़ी थी। सुगाथन को मंदिर उत्सव से जुड़े एक कथित मारपीट मामले में केरल उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि भाजपा समर्थकों द्वारा घेर लिए जाने के कारण उसे हवा में गोलीबारी करनी पड़ी, वहीं सुगाथन के परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने उनकी पत्नी और बच्चों के साथ भी अत्यधिक बल प्रयोग किया।

वहीं, राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि रेल मंत्रालय ने नेमोम टर्मिनल परियोजना के मास्टर प्लान की समीक्षा करने और इसके दूसरे तथा तीसरे चरणों को एक साथ लागू करने का निर्णय लिया है। एक 'फेसबुक' पोस्ट में नेमोम के विधायक चंद्रशेखर ने परियोजना में तेजी लाने के अपने अनुरोध पर विचार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मूल मास्टर प्लान में किए गए बदलावों के कारण परियोजना के दूसरे और तीसरे चरण वर्षों से लंबित थे।

तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष ने अयोग्यता मामले में अन्नाद्रमुक के चार पूर्व विधायकों को नोटिस जारी किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के उन चार पूर्व विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है जो पार्टी छोड़कर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि अन्नाद्रमुक ने एक याचिका दाखिल करके, उन्हें दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित करने की मांग की है जिसके बाद नौ जून को उन्हें स्पष्टीकरण नोटिस जारी किए गए।

चार पूर्व विधायक– मरागथम कुमारवेल, एस. जयकुमार, पी. सत्याभामा और एस. एसक्की सुबैया अन्नाद्रमुक विधायक पद से इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों के भीतर सत्तारूढ़ तमिलागा वेत्री कझगम में शामिल हो गए थे। वे उन 25 बागी विधायकों में शामिल थे जिन्होंने 13 मई को विधानसभा में शक्ति परीक्षण के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान किया था। विधानसभा अध्यक्ष प्रभाकर ने यहां पत्रकारों से कहा कि सदस्यों को स्पष्टीकरण देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। उन्होंने कहा, ''जो विधायक अन्नाद्रमुक छोड़ चुके हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही जारी है। उन्हें औपचारिक नोटिस जारी कर दिए गए हैं।'' विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 21 बागी अन्नाद्रमुक विधायकों के खिलाफ दलबदल (अयोग्यता) की कार्यवाही को तब समाप्त कर दिया गया जब पार्टी ने अपनी याचिका वापस ले ली। पूर्व राज्य मंत्री एस. पी. वेलुमणि के नेतृत्व वाले समूह ने हाल ही में अन्नाद्रमुक के महासचिव के. पलानीस्वामी से मुलाकात की और मतभेद सुलझा लिए। उन्होंने पलानीस्वामी के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए एकजुट अन्नाद्रमुक के रूप में काम करने पर सहमति जताई।

खरगे ने राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर कांग्रेस, कर्नाटक की जनता का आभार जताया

बेंगलूरु। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर पार्टी नेतृत्व, खास तौर पर सोनिया गांधी और राज्य की जनता का शुक्रवार को आभार जताया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह उनके सियासी सफर का 13वां चुनाव था। खरगे (83) लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुये हैं। वह कर्नाटक विधानसभा के सदस्य के रूप में कई बार सेवाएं दे चुके हैं और लोकसभा में भी राज्य का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

खरगे ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के घटनाक्रम को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने इस कार्रवाई को अवैध, अनैतिक और अलोकतांत्रिक करार देते हुए आरोप लगाया कि मोदी कांग्रेस पार्टी को खत्म करने की साजिश के तहत जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। बेंगलूरु में विधान सौधा परिसर में निर्वाचन अधिकारी से अपना चुनाव प्रमाणपत्र मिलने के बाद खरगे ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं सचमुच बहुत भाग्यशाली हूं। यह मेरा 13वां चुनाव है और कांग्रेस ने मुझे लोगों की सेवा करने का मौका दिया है। मैं सोनिया गांधी का भी आभारी हूं।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''उन्होंने (सोनिया ने) मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर दिया है। मुझे अपनी पार्टी और लोगों पर बहुत गर्व है। मैं उन सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने इतने वर्षों तक विधायक और सांसद के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान मुझे भरपूर समर्थन और सहयोग दिया।'' उन्होंने कहा, ''मैं कर्नाटक के लोगों, अपनी पार्टी के सदस्यों और आप सभी (मीडिया) का आभारी हूं, जिन्होंने मेरा सहयोग किया, ताकि मैं सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले जनप्रतिनिधियों में से एक बना रह सकूं।''

खरगे सहित तीन कांग्रेस उम्मीदवारों और एक भाजपा प्रत्याशी को बृहस्पतिवार को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। खरगे के अलावा राज्य के नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों में एआईसीसी सचिव मंसूर अली खान, कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और भाजपा नेता एम नागराजा शामिल हैं। जब खरगे से मध्यप्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस

डबल इंजन सरकार खेती को लाभकारी, पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, किसान मोर्चा अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं मल्लखम्भ प्रदर्शन में शिरकत करते हुए किसानों से रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग कम करने एवं प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। बागड़े ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि वे रसायन मुक्त अनाज तैयार करें और लोगों को बीमारियों से बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि एक समय जब देश में अनाज नहीं बचा था तब किसानों ने पूरी मेहनत कर अनाज उगाया। किसानों की मेहनत के कारण ही आज हमारे देश में अनाज के भण्डार हैं। उन्होंने कहा कि किसान गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उत्पादन करें, आमजन ऐसी पैदावार को खरीदने के लिए हमेशा तैयार हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे किसानों ने पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत और मल्चिंग जैसे प्राकृतिक खेती के तरीकों से मानव और मिट्टी दोनों की सेहत का ध्यान रखा है। इसलिए हमें प्राकृतिक खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती माता को जहरीले रसायन और कीटनाशकों से नुकसान होता है।

उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार ने जल एवं ऊर्जा उपलब्धता का विस्तृत रोडमैप बनाया है। इसके तहत रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी एवं गंगनहर के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ माही, देवास तथा सोम-कमला-अंबा, ब्राह्मणी नदी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए गए हैं। विगत ढाई वर्ष में ऊर्जा उत्पादन में प्रदेश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हम वर्ष 2027 तक प्रदेशभर में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आज 26 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार खेती को लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। बैलों द्वारा पारंपरिक एवं प्राकृतिक खेती करने पर 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम योजना और ई-नाम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म से किसानों का सशक्तीकरण हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को 9 हजार रुपये की किसान सम्मान निधि और गेहूं के एमएसपी पर 150 रुपये अतिरिक्त बोनस भी दे रही है।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि रासायनिक खेती के कारण आज देशभर में खेतों की मिट्टी का ऑर्गेनिक कार्बन निम्न स्तर तक पहुंच गया है, जो कि चिंताजनक है। उन्होंने सूक्ष्म जीव और मित्र कीट द्वारा मिट्टी को मुलायम करने और उर्वरकता बढ़ाने की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन में कमी नहीं बल्कि वृद्धि होती है। उन्हांने कहा कि वे स्वयं कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करते हुए प्राकृतिक खेती करते हैं, जिसका उत्पादन रासायनिक खेती से कहीं अधिक होता है।

उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती का उल्लेख करते हुए किसान को राजाओं का राजा बताया, जो प्राणियों का पेट भरने का काम करता है। आचार्य देवव्रत ने कहा कि किसान का धन सबसे बड़ा धन होता है, क्योंकि वह खेत में मेहनत और कड़ी तपस्या करता है। जो पैदा करता है, वो भी सबकी सेवा में लगा देता है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कीटनाशकों का उपयोग कैंसर जैसी घातक बीमारियों का कारण बन रहा है। ऐसे में, किसान अपनी जिम्मेदारी समझते हुए खेती में प्राकृतिक खाद का उपयोग करें और लोगों को पोषणयुक्त खाद्यान्न उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि किसानों की हरसंभव मदद के लिए डबल इंजन की सरकार तत्पर है।

कई इलाकों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने कई जगहों पर तेज आंधी और बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राज्य के अनेक भागों में आंधी व बारिश हो सकती है। विभाग ने बताया कि इसके असर से 12-13 जून को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में 60-70 किलोमीटर (किमी) प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलेगी। विभाग के मुताबिक, साथ ही कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है।

विभाग ने बताया कि वहीं राज्य के कुछ भागों में आंधी व बारिश 14 से 16 जून को भी जारी रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में आंधी-बारिश के असर से तापमान में दो से तीन डिग्री गिरावट होने का अनुमान है हालांकि, अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 40-43 डिग्री दर्ज रहने और उमस भरी गर्मी जारी रहने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि वहीं शुक्रवार सुबह तक चौबीस घंटे के दौरान राज्य में पूर्वी भाग में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश और पश्चिमी भाग में तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। विभाग के मुताबिक, राज्य के पश्चिमी भाग में एक से दो स्थानों पर लू चली और अधिकतम तापमान सबसे अधिक 46.0 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में रहा।

हम गुलामी की मानसिकता से बाहर निकले हैं : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को भाजपा की केंद्र सरकार के सत्ता में 12 साल पूरे होने के अवसर पर सूचना केंद्र में एक विकास प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने के लिए राज्य की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी पहुंची। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हम गुलामी की मानसिकता से बाहर निकले हैं। मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि मैं भारतीय हूं। पहले ऐसा कहां होता था। राजस्थान की डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने सूचना केंद्र में एक प्रदर्शनी का दौरा किया और कहा कि राज्य की डबल-इंजन सरकार ने पिछले ढाई सालों में काफी तरक्की की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार मार्गदर्शन और सहयोग से विकास के कामों को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। मीडिया से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों ने ऐसी मानसिकता पैदा की, जिसमें हमें भारतीय होने पर गर्व नहीं होता था, लेकिन आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय होने पर गर्व है। मैं पीएम मोदी को धन्यवाद करना चाहती हूं कि इस मानसिकता के लिए जो अब बन गई है। मुझे भारतीय कहलाने पर गर्व होता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बहुत अच्छी चल रही है। राजस्थान में बिजली, कनेक्टिविटी हो या फिर दूसरा क्षेत्र, विकास हुआ है। युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का जिक्र करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि यह महिलाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक सरकार लाई। वह अलग बात है कि विपक्ष ने पास नहीं होने दिया। लेकिन, निराश होने की जरूरत नहीं है, यह पास होगा। अगर ज्यादा से ज्यादा महिलाएं लीडर बनेंगी तो उन्हें ज्यादा अवसर मिलेंगे और वे महिलाओं के अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ेंगी।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' प्रदर्शनी का फीताकाटकर किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्र सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ब्यावर जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रदर्शनी 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के का राजसमंद सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने शुक्रवार को शुभारंभ फीता काटकर किया। कलेक्ट्रेट में आयोजित हो रही इस 3 दिवसीय प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नवाचारों, अभियानों तथा विकास कार्यों को फोटो पैनलों एवं प्रदर्श सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों से अवगत कराना है।

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चलते आज भारत विश्व में बड़ी शक्ति के रूप में उभरा है, दुनिया में देश का मानसम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी आमजन को योजनाओं एवं सरकारी उपलब्धियों से अवगत कराने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाकर प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी आमजन को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से इसका अधिकाधिक अवलोकन करने की अपील की। मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। यह प्रदर्शनी देश की विकास यात्रा को दर्शाती है। उन्होंने जिलावासियों से परिवार सहित प्रदर्शनी का अवलोकन कर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया।

जिला कलक्टर कमल राम मीना ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों की उपलब्धियों को आकर्षक एवं तथ्यात्मक तरीके से प्रदर्शित किया गया है, जिससे नागरिक योजनाओं की उपयोगिता को समझ सकें। जिला कलक्टर ने जिले के सभी नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे कलेक्ट्रेट में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का अवश्य अवलोकन करें और अपने परिचितों को भी प्रदर्शनी देखने के लिए प्रेरित करें।

विख्यात 'मांड' गायिका गवरी देवी का निधन, मुख्यमंत्री ने शोक जताया

जयपुर। 'मांड' गायकी से पूरे देश में नाम कमाने वाली गवरी देवी का बृहस्पतिवार शाम निधन हो गया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लोक गायिका के निधन पर शोक जताते हुए इसे राज्य की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। प्राप्त सूचना के अनुसार गवरी देवी (98) का निधन उनके पाली स्थित निवास में हुआ। गवरी देवी पिछले कई दशकों से 'मांड' गायन में सक्रिय थीं और उन्होंने देशभर में अपने गायन से लोगों का मन मोहा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पाली की सुप्रसिद्ध 'मांड' गायिका गवरी देवी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनका जाना लोक संगीत जगत एवं राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने कहा, अपनी मधुर स्वर साधना और लोकगीतों के माध्यम से उन्होंने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति को नयी पहचान दी। लोककला के संरक्षण और संवर्धन में उनका अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी सुरमयी विरासत आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करती रहेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि 'मांड' गायकी को दुनिया में लोकप्रिय बनाने में अहम योगदान देने वाली सुप्रसिद्ध गायिका गवरी देवी के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि गवरी देवी ने कई दशकों तक 'मांड' गायन किया तथा इस शैली में लोककला का पर्याय बनीं। उनके निधन से राजस्थान के कला एवं संस्कृति क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।

'लक्ष्य-अंत्योदय, प्रण-अंत्योदय, पथ-अंत्योदय' का संकल्प हो रहा साकार : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को पंचायत समिति लूणी की ग्राम पंचायत शिकारपुरा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। इस दौरान जिला कलक्टर आलोक रंजन, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा भी साथ रहे। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अनवरत काम कर रही है। उन्होंने कहा ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से 'लक्ष्य-अंत्योदय,प्रण-अंत्योदय, पथ-अंत्योदय' का संकल्प साकार हो रहा है।

पटेल ने कहा आमजन को राज्य सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी एवं फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ सीधे उनके घर-द्वार तक पहुँचाने के लिए 12 जून से 15 जुलाई तक प्रदेशभर में ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा इन शिविरों में आमजन से जुड़े काम हाथों-हाथ संपादित किए जा रहे है।

विधि मंत्री ने कहा अभियान के तहत 22 विभागों के अनेक कार्य संपादित किये जा रहे है। उन्होंने कहा शिविर में प्रत्येक नागरिक का कार्य उसी दिन पूर्ण करने का हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा यदि कोई कार्य अपूर्ण या लंबित रहते हैं तो विभागीय अधिकारी उन कार्यों का समयबद्ध रूप से निस्तारण सुनिश्चित करें।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि विधि मंत्री ने कहा हमारी सरकार ने युवाओं को 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। अब तक 1 लाख 25 हजार से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी गई है। उन्होंने कहा 1 लाख 35 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन है और इस वर्ष 1 लाख 25 हजार पदों का भर्ती कैलेण्डर भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा हमारे कार्यकाल में बिना पेपरलीक के 350 से अधिक परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। पटेल ने कहा किसानों की उन्नति एवं आर्थिक संबल देने के लिए खेत तलाई, फॉर्म पौंड, तारबंदी और कृषि यंत्रों के लिए सब्सिडी उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा पशुपालकों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना और गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा सभी पशुपालक अपने पशुओं का बीमा करवायें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शुक्रवार को लोकभवन में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े और आचार्य देवव्रत की यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान दोनों ने राष्ट्र विकास से जुड़े मुद्दों के साथ प्राकृतिक खेती के लिए किए जा रहे कार्यों और इससे जुड़े जागरूकता कार्यों पर संवाद किया।

वैष्णव के कार्यक्रम में बिजली गुल होने पर टीकाराम जूली ने कसा तंज

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के एक कार्यक्रम के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटना को लेकर तंज कसते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि बिजली को भी झूठ बर्दाश्त नहीं हुआ। उनकी यह टिप्पणी जयपुर में वैष्णव के मीडिया संवाद कार्यक्रम के दौरान अचानक बिजली आपूर्ति बाधित होने की घटना के बाद आई है। जूली ने इस कथित घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा, आज राजस्थान में बिजली से भी झूठ बर्दाश्त नहीं हुआ।

उन्होंने लिखा, फीते तो बहुत काट लिए दूसरों के कामों पर, अपना हिसाब देने की बारी आई तो बिजली ही चली गई। कांग्रेस नेता ने एक अन्य टिप्पणी में कहा, निकले थे तुलना करने, तो बिजली भी पूछ बैठी- 'कांग्रेस के कामों का श्रेय तो बहुत ले लिया, 12 साल में अपना क्या बनाया, सिर्फ वही बताइए। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने लिखा, नेताजी झूठ बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 12 साल का कार्यकाल उत्कृष्ट रहा है : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कोटा सूचना केन्द्र सभागार में आयोजित '12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विषयक तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार को शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने किया।उद्घाटन के बाद शिक्षा मंत्री दिलावर एवं जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए शिक्षा एवं मदन दिलावर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 12 साल का कार्यकाल उत्कृष्ट रहा है। देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं लागू की गई हैं। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में देश में एवं प्रदेश में हुए विकास तथा जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया गया है।शिक्षा मंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की सारगर्भित जानकारी इस प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन तक पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं जिसमें युवाओं, महिलाओं, किसानों सहित सभी वर्गों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई योजनाओं को समाहित किया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संस्थाओं एवं आमजन से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की।

यह साफ है कि 'सीट चोरी' हुई है, हम इसके खिलाफ लड़ेंगे : कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका को उच्चतम न्यायालय द्वारा नामंजूर किए जाने के बाद शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि यह सभी के लिए बहुत स्पष्ट है कि ''सीट चोरी'' हुई है, और ''हम इसके खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं''। नटराजन ने कहा कि यह ''व्यक्तिगत हार'' का सवाल नहीं है, बल्कि ज़्यादा चिंता की बात वे ''झटके हैं, जो लोकतंत्र को बार-बार लग रहे हैं''।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली उनकी याचिका नामंजूर कर दी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि उसने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पीठ ने कहा, ''यदि अदालत यह तय करने लगे कि किन मामलों में नामांकन रद्द किया जाना इतना गलत है कि वह सीधे अनुच्छेद 32 या 226 के तहत हस्तक्षेप कर सकती है, और किन मामलों में उम्मीदवार को चुनाव याचिका का रास्ता अपनाना चाहिए, तो अदालत संविधान के अनुच्छेद 329 में ऐसी व्यवस्था जोड़ रही होगी, जो वहां लिखी ही नहीं गई है।'' उसने कहा, ''हमें डर है कि ऐसी किसी भी व्याख्या को प्रोत्साहित नहीं किया जा सकता, जिसके तहत कुछ मामलों में यह अदालत हस्तक्षेप करे और कुछ अन्य मामलों में पक्षकारों को चुनाव न्यायाधिकरण का सहारा लेने के लिए छोड़ दे।'' कांग्रेस नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''लोकतंत्र को बार-बार जो झटके लग रहे हैं, हमें उसकी चिंता है। यह किसी की व्यक्तिगत हार का सवाल नहीं है।'' जब उनसे पूछा कि क्या वह उच्च न्यायालय जाएंगी, तो नटराजन ने कहा, ''इसका फैसला मैं नहीं, मेरी पार्टी करेगी। मैं पार्टी की उम्मीदवार थी और पार्टी और उसके नेता जो भी फैसला करेंगे, हम उसे ही मानेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम लड़ने के लिए तैयार हैं, पूरी पार्टी एकजुट है, इससे बेहतर और क्या हो सकता है... 'सीट चोरी' साफ तौर पर दिख रही है और यह सबके सामने है। हम सब जानते हैं कि कॉर्पोरेट जगत के एक व्यक्ति के लिए एक कानून है और संवैधानिक सिद्धांतों के लिए लड़ने वालों के लिए दूसरा।''

मोदी के नेतृत्व में भारत 11वीं से 'चौथी सबसे बड़ी' अर्थव्यवस्था बना : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए दावा किया कि मोदी के कार्यकाल में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से छलांग लगाकर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

चौधरी ने मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक मीडिया संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लोगों ने हर महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गहरा विश्वास जताया है। उन्होंने कहा, ''जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2016 में नोटबंदी की घोषणा की थी, तब पूरा देश उनके साथ खड़ा था। कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों ने महीनों तक लॉकडाउन का पालन किया और उनकी सलाह मानी। अब पश्चिम एशिया में युद्ध से उत्पन्न वैश्विक संकट के बीच भी लोगों को विश्वास है कि मोदी देश को इस स्थिति से बाहर निकालने में सक्षम हैं।'' करीब दो महीने पहले बिहार के मुख्यमंत्री बने चौधरी ने प्रधानमंत्री को देश की सबसे लंबी अवधि तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री के रूप में जनता की सेवा करने की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, ''नया भारत वैश्विक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी

पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक ऐसी पार्टी है, जो अपने संकल्पों को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे वादे पूरे किए गए हैं तथा जनता ने हर महत्वपूर्ण अवसर पर मोदी के नेतृत्व में भरोसा जताया है। चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का ''विकसित भारत 2047'' का दृष्टिकोण देश को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का एक महत्वाकांक्षी खाका है।

उन्होंने कहा, ''इसी प्रकार बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार 'विकसित बिहार' के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है। हमें विश्वास है कि मोदी जी के मार्गदर्शन में बिहार प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता के पथ पर और आगे बढ़ेगा तथा 'विकसित बिहार 2047' के संकल्प को नई ऊर्जा और गति मिलेगी।''

शुभेंदु ने दुर्गा पूजा समितियों को सिर्फ जरूरत के आधार पर सरकारी मदद का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को संकेत दिया कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के कार्यकाल में शुरू की गई दुर्गा पूजा अनुदान व्यवस्था जारी रह सकती है, लेकिन यह राशि सिर्फ उन्हीं आयोजकों को मिलेगी, जिन्हें सचमुच आर्थिक मदद की जरूरत है।

शुभेंदु की इस टिप्पणी से राज्य में सियासी चर्चा के केंद्र में रही दुर्गा पूजा अनुदान नीति में बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साल के अनुदान के बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पिछली सरकार की उस प्रथा को शायद ही अपनाएगी, जिसके तहत सभी पूजा समितियों को उनकी आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना एक जैसी वित्तीय मदद दी जाती थी। शुभेंदु ने कहा, जिन समितियों को सरकारी मदद की जरूरत नहीं है, उन्हें अनुदान दिए जाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सरकार उन समितियों के साथ खड़ी रहेगी, जो आर्थिक मदद के बिना दुर्गा पूजा का आयोजन नहीं कर सकते। शुभेंदु ने कहा, जो लोग उस आर्थिक मदद के आधार पर पूजा का आयोजन करते हैं, उन्हें सहायता मिलेगी। लेकिन जिन्हें इसकी जरूरत नहीं है, उन्हें यह राशि दिए जाने की आवश्यकता नहीं है।

हस्ताक्षर में हेरफेर का मामला:

अभिषेक के जवाबों से बंगाल सीआईडी संतुष्ट नहीं, 14 जून को फिर बुलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सीआईडी ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी को कथित जाली हस्ताक्षर मामले में पूछताछ के दूसरे दौर के लिए 14 जून को पेश होने का नया समन जारी किया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

माना जाता है कि यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि जांच अधिकारियों को एक दिन पहले विभाग मुख्यालय में हुई पूछताछ के दौरान तृणमूल महासचिव के जवाब संतोषजनक नहीं लगे। अधिकारी ने दावा किया कि विधानसभा अध्यक्ष को सौंपे गए विवादित प्रस्ताव से जुड़े कई सवालों के जवाब में बनर्जी ने कहा ''मुझे नहीं पता'' और कुछ मौकों पर वह कथित तौर पर आपा खो बैठे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''पूछताछ के दौरान प्रस्ताव, इस पर किए गए हस्ताक्षर और सहायक दस्तावेज़ों से जुड़े कई सवालों का ठोस जवाब नहीं मिल सका। जांच टीम ने कुछ रिकॉर्ड मांगे थे, जो अभी तक पेश नहीं किए गए हैं। इसलिए, उन्हें रविवार को ज़रूरी दस्तावेज़ों के साथ फिर से पेश होने के लिए कहा गया है।''

अधिकारी ने कहा कि जांचकर्ताओं ने इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा कि प्रस्ताव पर पार्टी की बैठक में कथित तौर पर अनुपस्थित रहे विधायकों के हस्ताक्षर कैसे आए, दस्तावेज़ पर किसने हस्ताक्षर किए थे और उसकी मूल प्रति कहाँ है। उन्होंने कहा, ''जांच मुख्यत: दस्तावेजों की प्रामाणिकता स्थापित करने और उन परिस्थितियों का पता लगाने पर केंद्रित है, जिनके तहत इन्हें तैयार और जमा किया गया था। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले अभी और सत्यापन की आवश्यकता है।''

मिजोरम की जेडपीएम सरकार पारदर्शिता और सुधार के वादों को पूरा करने में विफल : कांग्रेस

आइजोल/भाषा। मिजोरम की जोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार पर विपक्षी कांग्रेस ने शुक्रवार को तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह साफ-सुथरी और पारदर्शी सरकार तथा व्यवस्था में सुधार के अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लालनुमविया चुआंगो ने यहां कांग्रेस भवन में राजनीतिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जोरामथांगा के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार को 2023 के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने नकार दिया था, क्योंकि लोग सरकारी धन के प्रबंधन से असंतुष्ट थे।

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि पारदर्शी और जवाबदेह शासन तथा प्रशासनिक सुधारों का वादा कर जेडपीएम सत्ता में आई। उन्होंने कहा,''हालांकि, जेडपीएम उन वादों को पूरा करने में नाकाम रही और इसके बजाय उसने पिछली एमएनएफ सरकार के उन्हीं तौर-तरीकों को जारी रखा, जिनकी उसने पहले आलोचना की थी।'' चुआंगो ने आरोप लगाया कि जेडपीएम सरकार ने मिजोरम लोकायुक्त अधिनियम से जुड़े प्रावधानों में संशोधन करके भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र को कमज़ोर करने की कोशिश की है।

शुभेंदु ने टाटा समूह को पश्चिम बंगाल में वापस लाने का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। सिंगूर आंदोलन से पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य में आए बदलाव के करीब दो दशक बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को टाटा समूह को राज्य में वापस लाने का संकल्प लिया।

शुभेंदु ने राज्य की पिछली वाम मोर्चा एवं तृणमूल कांग्रेस सरकारों पर उनकी औद्योगिक नीतियों को लेकर निशाना साधा।

शुभेंदु ने वाम मोर्चा पर जबरन भूमि अधिग्रहण करने और तृणमूल सरकार पर ''फोटो-सेशन वाला औद्योगीकरण'' करने का आरोप लगाया।

शुभेंदु ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार ऐसा मध्यम मार्ग अपनाएगी, जिसमें किसानों के हितों की रक्षा हो और निवेश भी आकर्षित किया जा सके। उन्होंने कहा, ''हम टाटा समूह को पश्चिम बंगाल वापस लाएंगे।''

उनकी इस टिप्पणी ने पश्चिम बंगाल की राजनीति के एक पुराने और संवेदनशील मुद्दे को फिर से सामने ला दिया।

टीएमसी का बागी गुट लोकसभा अध्यक्ष से मिलेगा, 'असली तृणमूल कांग्रेस' के तौर पर मान्यता की मांग करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी नेता जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के बागी सांसद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार को मुलाकात कर खुद को ''असली तृणमूल कांग्रेस'' के तौर पर मान्यता दिए जाने की मांग करेंगे। बसुनिया ने दावा किया कि अभी 19 लोकसभा सदस्य इस गुट का समर्थन कर रहे हैं।

कूचबिहार से सांसद और लोकसभा में राजग का समर्थन करने के इच्छुक सांसदों में शामिल बसुनिया ने बताया कि गुट पहले ही लोकसभा अध्यक्ष को इस संबंध में एक प्रतिवेदन सौंप चुका है। बसुनिया ने कहा, ''हमने पत्र सौंप दिया है... सोमवार को हम लोकसभा अध्यक्ष के पास जाएंगे और असली तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल बनाने का अपना दावा पेश करेंगे। हम लोकसभा अध्यक्ष से हमारे दावे को मान्यता देने का आग्रह करेंगे।'' उन्होंने कहा कि हस्ताक्षर जुटाने की प्रक्रिया आठ जून को शुरू हुई और अब तक 19 सांसदों ने इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि बैठक का समय अभी तय नहीं हुआ है। बसुनिया ने तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद के बयान के जवाब में कहा, ''कीर्ति आजाद झूठे हैं। यह कहना ठीक नहीं है। हम 19 सांसद हैं और वह भी एक सांसद हैं... इस तरह के आरोप लगाना सही नहीं है।'' आजाद ने आरोप लगाया था कि बागी सांसदों को पाला बदलने के लिए पैसे दिए जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी की अभिषेक बनर्जी पर की गई टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर बसुनिया ने कहा, ''वह सही बात कह रहे हैं। हम कल्याण बनर्जी के बयान का समर्थन करते हैं।''

ओडिशा के सरकारी संस्थानों में किंडरगार्टन से स्नातकोत्तर तक मुफ्त पढ़ाई होगी : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक मुफ्त पढ़ाई होगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को यहां यह घोषणा की। माझी ने ओडिशा में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक सवांददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस कदम से राज्य के सभी विद्यार्थियों, विशेषतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और लड़कियों को फायदा होगा। उन्होंने कहा, ''शिक्षा को वास्तव में निशुल्क और सबके लिए सुलभ बनाने के लिए, मेरी सरकार किंडरगार्टन से लेकर स्नातकोत्तर तक की शिक्षा को पूरी तरह मुफ्त करने की घोषणा कर रही है। शायद, शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा कदम पूरे देश में पहली बार ओडिशा में उठाया जा रहा है।'' माझी ने कहा कि यह फैसला राज्य के युवाओं की नींव को मजबूत करेगा और दीर्घ कालिक विकास में योगदान देगा।

'राम मंदिर के बनने से अब तक के सभी वित्तीय लेन-देन और संपत्ति को सार्वजनिक किया जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रजनीश सिंह ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर हो रहे विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के बनने के समय से लेकर अब तक के सभी वित्तीय लेन-देन और संपत्ति को सार्वजनिक करने की मांग की।

सिंह ने शुक्रवार को भेजे पत्र में प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह ट्रस्ट को निर्देश दें कि न्यास अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी आय, खर्च, दान, बैंक खातों, जमीन के लेन-देन और संपत्तियों का

विवरण सार्वजनिक करे। उन्होंने भगवान राम को सत्य, धर्म और जन-कल्याण का प्रतीक बताते हुए कहा कि राम के नाम पर काम करने वाली संस्थाओं को पारदर्शिता के उच्चतम मानकों का पालन करना चाहिए। उन्होंने पत्र में कहा, देश-विदेश के करोड़ों भक्तों ने राम मंदिर के निर्माण के लिए अपनी आस्था और जीवन भर की कमाई का योगदान दिया है। यह धन किसी व्यक्ति, समूह या संस्था का नहीं है, बल्कि करोड़ों भक्तों की श्रद्धा का प्रतीक है। सिंह ने कहा कि हर भक्त को यह जानने का 'नैतिक और लोकतांत्रिक अधिकार' है कि दान में मिले पैसे, गहनों और अन्य कीमती चीजों का इस्तेमाल कैसे किया गया है। भाजपा नेता की यह मांग मंदिर के दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आई है। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बुधवार को दावा किया था कि उन्हें राम मंदिर में दान के कथित दुरुपयोग और चोरी के बारे में जानकारी थी लेकिन वे इसका विवरण बताने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने गोंडा में पत्रकारों से कहा था, अगर मैं सच बोलूंगा, तो मुसीबत में पड़ जाऊंगा क्योंकि वे बहुत ताकतवर लोग हैं।

बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ बयान देने के आरोप में ममता बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ बयान देने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति ने नेताजी नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नौ मार्च को कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान बनर्जी की टिप्पणियां ''समुदायों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने वाली'' थीं। अधिकारी ने बताया कि मामला शुरू में 'शून्य प्राथमिकी' के तौर पर दर्ज किया गया था और इसे हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने में स्थानांतरित कर दिया गया है, क्योंकि जिस जगह पर टीएमसी प्रमुख ने कथित तौर पर ये टिप्पणियां की थीं, वह इसी थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा, ''शिकायतकर्ता का आरोप है कि बनर्जी के बयानों से शांति भंग हो सकती है और सांप्रदायिक सद्भाव व लोकतांत्रिक मूल्यों पर बुरा असर पड़ सकता है।''

टीसीएस ने देश के पहले ओरेकल एआई डेटा प्लेटफॉर्म लैब की शुरुआत की

कोलकाता/भाषा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को यहां भारत का पहला 'ओरेकल एआई डेटा प्लेटफॉर्म लैब' और 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) शुरू किया। इसका उद्देश्य उद्यमों को कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने और डेटा-आधारित बदलाव की प्रक्रिया तेज करने में मदद करना है।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोलकाता स्थित डेल्टा पार्क लॉर्ड्स में इस केंद्र की शुरुआत ओरेकल के साथ मिलकर की गई है। यह ग्राहकों को बिखरे हुए डेटा सिस्टम, धीमी विश्लेषण प्रक्रिया, एआई के सीमित विस्तार और परिचालन अक्षमताओं जैसी चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। टीसीएस ने कहा कि यह प्रयोगशाला ओरेकल एआई डेटा मंच का उपयोग करेगी, जिसमें ओरेकल क्लाउड अवसंरचना, ओरेकल स्वायत्त एआई डेटाबेस और ओसीआई उद्यम एआई जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, कंपनी अगले तीन वर्षों में देश के चार अन्य शहरों में भी इसी तरह की प्रयोगशाला और उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। टीसीएस के उपाध्यक्ष एवं वैश्विक प्रमुख (ओरेकल प्रैक्टिस) सुदीप्तो राय ने कहा, ''इस सुविधा को अवधारणा से लेकर प्रयोग और फिर बड़े पैमाने पर लागू करने तक के सफ़र को तेज़ करने के लिए तैयार किया गया है।'' ओरेकल इंडिया के गठबंधन एवं चैनल प्रौद्योगिकी प्रमुख अरविंद मेहरा ने कहा कि यह पहल ग्राहकों को एआई-आधारित अंतर्दृष्टि और एआई के ज़रिए डेटा को कारोबारी नतीजों में बदलने में मदद करेगी।

बात करने की स्थिति में नहीं है मनु , कहा उनकी मां ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर की मां ने शुक्रवार को कहा कि कोच जसपाल राणा के बारे में उनसे बात कर पाना इस समय संभव नहीं है क्योंकि अभी उनका पूरा परिवार महान निशानेबाज और कोच राणा के असामयिक निधन से सकते में है । भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक और मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले जसपाल राणा का दिल से संबंधित बीमारी के कारण शुक्रवार तड़के निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे।

मनु की मां सुमेधा ने कहा ,''मनु के लिये इस समय कुछ कह पाना संभव नहीं है । वह इस स्थिति में नहीं है ।'' मनु इस समय अभ्यास

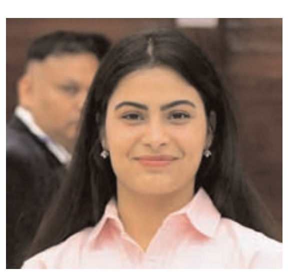

शिविर में देहरादून में है और उनकी मां भी वहीं हैं । सुमेधा ने कहा ,''हम दोनों देहरादून में है । मनु ने विश्व कप के लिये अभी ट्रायल में हिस्सा लिया है और राष्ट्रीय शिविर भी यहीं चल रहा है । सर का पार्थिव शरीर भी उत्तराखंड लाया जा रहा है जो उनकी जन्मभूमि है। हम यह खबर सुनकर दिल्ली लौट रहे थे लेकिन हमें देहरादून में ही रूकने के लिये कहा गया है । उनका पार्थिव शरीर जल्दी ही यहां आयेगा ओर मनु वहां जायेगी । सर का शरीर देहरादून में उनकी निशानेबाजी रेंज पर रखा जायेगा ।''

राहुल की भूमिका में बदलाव के संकेत, किशन ने किया विकेटकीपिंग अभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले शुरुआती वनडे से पहले धर्मशाला में शनिवार को विकेटकीपिंग को लेकर दिलचस्प संकेत देखने को मिले जहां अभ्यास सत्र में ईशान किशन विकेटकीपिंग का अभ्यास करते नजर आए, जबकि लोकेश राहुल क्षेत्ररक्षण अभ्यास में ऊंचे कैच पकड़ने का अभ्यास कर रहे थे।

एकदिवसीय क्रिकेट में पिछले कई वर्षों से राहुल भारत के मुख्य विकेटकीपर-बल्लेबाज रहे हैं लेकिन ईशान की वनडे टीम में वापसी के बाद उनकी भूमिका में बदलाव की संभावना दिखाई दे रही है। विराट चोट के कारण इस शृंखला का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में

टीम प्रबंधन को तीसरे नंबर पर अलग-अलग बल्लेबाजों को आजमाने का मौका मिलेगा। राहुल भी पिछले कुछ वर्षों से मध्यक्रम, खासकर पांचवें नंबर पर अच्छी तरह स्थापित हैं, लेकिन इस शृंखला में उनकी बल्लेबाजी स्थिति बदल सकती है। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मॉर्कल ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ शृंखला में तीसरे नंबर के लिए कई खिलाड़ियों को आजमाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''तीसरे क्रम को लेकर हम इस शृंखला में कुछ प्रयोग करेंगे। ईशान, राहुल या जायसवाल में से किसी को भी वहां बल्लेबाजी का मौका मिल सकता है। हमारे पास कुछ वनडे मैच हैं और हम खिलाड़ियों को अलग-अलग स्थानों पर आजमाना चाहते हैं। इससे हमें टीम संयोजन को बेहतर ढंग से समझने और भविष्य के लिए अधिक विकल्प तैयार करने में मदद मिलेगी।'' युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और गुरनूर बराड़ शनिवार को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण कर सकते हैं। टीम ने धर्मशाला पहुंचने से पहले चंडीगढ़ में अभ्यास किया था। मॉर्कल दोनों युवा गेंदबाजों से प्रभावित नजर आए। गुरनूर लंबे समय से भारतीय टीम के नेट गेंदबाज भी रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पहली नजर में ऐसा लगा जैसे वे पिछले चार-पांच साल से टीम का हिस्सा हों। चेहरे पर कोई घबराहट नहीं दिखी। टीम में पहली बार आने वाला खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से थोड़ा नर्वस होता है, लेकिन दोनों ने जिस ऊर्जा व आत्मविश्वास के साथ अभ्यास किया, वह देखकर अच्छा लगा। उनकी गेंदबाजी में सटीकता है और साफ दिखता है कि उन्होंने कौशल पर मेहनत की है। इससे कोचिंग टीम के सदस्यों का काम आसान हो जाता है।''

सुविचार

धैर्य और समय दो ऐसे योद्धा हैं, जो हर नामुमकिन चीज़ को मुमकिन बना देते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसी कॉमेडी?

देश में स्टैंड-अप कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता परोसने का ऐसा सिलसिला चल पड़ा है, जिस पर सरकार को सख्ती दिखानी चाहिए। लोगों को हंसाने, उन्हें बेहतर महसूस कराने, खुशी का माहौल बनाने के लिए अभद्र और आपत्तिजनक शब्द बोलने जरूरी नहीं हैं। अगर किसी कलाकार के पास लोगों को हंसाने का हुनर है तो वह शालीन शब्दों के जरिए भी ऐसा कर सकता है। गलत शब्द बोलकर तालियां बटोरने की हरकत इस बात का प्रमाण है कि वह शख्स कोई कलाकार नहीं है। अक्सर उनके पक्ष में यह कुतर्क दिया जाता है कि उन्हें बहुत लोग सुनते हैं, इसलिए आपत्ति नहीं जतानी चाहिए। लोगों को बुराई जल्दी आकर्षित करती है, इसलिए अभद्र कॉमेडी जल्दी मशहूर होती है। सोशल मीडिया ने ऐसे कथित स्टैंड-अप कॉमेडियन को कुछ ज्यादा ही 'महान' बना दिया है, जो द्विअर्थी संवाद बोलकर, अश्लीलता का रंग घोलकर लोगों को हंसाने की कोशिश करते हैं। उनके वीडियो बहुत वायरल होते हैं। इससे अन्य कॉमेडियन, जो रातोंरात मशहूर होना चाहते हैं, प्रेरणा लेते हैं और आपत्तिजनक शब्दों की बौछार शुरू कर देते हैं। अब तो इन लोगों ने अश्लीलता को जल्दी मशहूर होने का संक्षिप्त सूत्र मान लिया है। जो व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्ति जताता है, उसे इनके प्रशंसक यह कहकर चुप रहने की हिदायत देते हैं कि 'आपको यह सब पसंद नहीं है तो न देखें, हमें पसंद है, इसलिए हम देखेंगे।' क्या किसी गलत बात को इस आधार पर बढ़ावा देना सही है, क्योंकि उसे बड़ी संख्या में लोग पसंद करने लगे हैं? यह बहुत खतरनाक चलन है, जिसे रोका जाना चाहिए।

जिन्हें यह लगता है कि अभद्र और आपत्तिजनक शब्दों के बिना किसी को हंसाया ही नहीं जा सकता, उन्हें जसपाल भट्टी के 'फ्लॉप शो' और 'फुल टेंशन' जैसे शो जरूर देखने चाहिएं। ये नब्बे के दशक में इतने मशहूर हुए थे कि इन्होंने प्रसिद्धि के नए रिकॉर्ड बना दिए थे। आज भी ये यूट्यूब पर खूब देखे जाते हैं। इन्होंने साबित किया कि मर्यादित शब्दों, मर्यादित वेशभूषा और मर्यादित दृश्यों के साथ भरपूर हास्य उत्पन्न किया जा सकता है। जनता में ऐसे शो ज्यादा पसंद किए जाते हैं, क्योंकि लोग उन्हें अपने परिवार के साथ देख सकते हैं। वे सोशल मीडिया पर बेझिझक शेयर किए जा सकते हैं। इसलिए देश में अच्छे शो के देखे जाने की संभावना आज भी बहुत ज्यादा है। क्या वर्तमान कॉमेडियन ऐसे शो बना सकते हैं? कॉमेडी में आपत्तिजनक शब्दों का तड़का लगाने के पीछे, कुछ लोगों द्वारा एक वजह यह बताई जाती है कि 'इससे ऐसा लगता है कि कॉमेडियन आधुनिक सोच वाला इन्सान है।' ऐसा सोचना ही पूरी तरह गलत है। आधुनिकता का संबंध नई और अच्छी सोच से होता है। मर्यादाहीन और ओछी हरकतें करने से कोई आधुनिक नहीं बन जाता है। कोई कॉमेडियन आधुनिक कहलाना चाहता है तो उसे सबसे पहले अपने शो में ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी लोग बैठ सकें और सहज होकर हास्य का आनंद ले सकें। सिर्फ हंसा देना और तालियां बटोर लेना काफी नहीं है। कॉमेडियन को देश-दुनिया की विभिन्न समस्याओं का अपनी कला के जरिए समाधान पेश करना चाहिए। इससे लोग जागरूक होंगे। यह हकीकत है कि किसी जटिल मुद्दे को कॉमेडियन बड़ी आसानी से समझा सकता है। आज पर्यावरण प्रदूषण, नशाखोरी, साइबर अपराध जैसी बुराइयों का बोलबाला है। अगर कॉमेडियन मर्यादा में रहते हुए इन पर अपने तीखे शब्दबाण छोड़ें, राष्ट्रीय एकता का संदेश दें तो बहुत बड़ा सुधार हो सकता है।

ट्वीटर टॉक

जसपाल राणा जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ, वे हमारे देश के सबसे बेहतरीन शूटिंग चैंपियन में से एक थे। उनके योगदान ने भारतीय शूटिंग पर एक अमिट छाप छोड़ी है जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति दे।

-सचिन पायलट

दिल्ली से देहरादून तक नए एक्सप्रेसवे पर मेरा सफ़र बहुत अच्छा और आसान रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत की ओर बढ़ता देश, बिल्कुल इस एक्सप्रेसवे की तरह हैतेज़, आधुनिक और अपने लक्ष्यों की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

मशहूर शूटर और बेहतरीन कोच, पद्म श्री अवॉर्डी जसपाल राणा जी के निधन की खबर बहुत दुख देने वाली है, जिन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड मेडल समेत कई इंटरनेशनल मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

जीवन की गहराई

अल्जीरिया के एक गरीब परिवार में पले आल्बेयर कामू बचपन में फुटबॉल खेलते थे और बड़े होकर अध्यापक बनना चाहते थे। एक दिन बीमारी ने उनके फेफड़ों पर प्रहार किया। चिकित्सक ने कहा, 'अब तुम्हें सावधान रहना होगा, यह रोग जीवन भर साथ रहेगा।' कामू चुप रहे। मित्र ने पूछा, 'अब क्या करोगे? खेल भी गया, सेहत भी कमजोर है।' कामू ने धीमे स्वर में कहा, 'यदि जीवन सीमित है, तो उसे और गहराई से जीना चाहिए।'

आगे चलकर जब यूरोप में युद्ध और निराशा का समय आया, लोगों ने उनसे पूछा, 'इतनी विपत्ति में आशा कहां है?' कामू ने उत्तर दिया, 'मनुष्य की महानता इस बात में नहीं कि संसार उसे क्या देता है, बल्कि इस बात में है कि वह विपत्ति के सामने कैसा खड़ा रहता है।' बीमारी ने उनका शरीर रोका, पर विचारों को नहीं। उन्होंने विपत्ति को बहाना नहीं बनाया, बल्कि वही उनकी लेखनी की शक्ति बन गई। जीवन में लोगों को संदेश दिया कि परिस्थितियां सीमाएं बनाती हैं, पर साहस उन्हें अर्थ देता है।

सामयिक

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

डॉ. सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सी) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं।

उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद को नियमित और संस्थागत स्वरूप देना भी आवश्यक है। जब देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद बना रहता है, तब गलतफहमियों की संभावना कम हो जाती है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति, खेल, मीडिया और पर्यटन के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना चाहिए। सरकारों के बीच विश्वास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण नागरिकों के बीच विश्वास भी है। सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है।

व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐसे वातावरण में सरकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा दें और दुष्प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण रखें।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों और पड़ोसी देशों की संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन स्थापित करे। एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति होने के कारण भारत की नीतियों का प्रभाव उसके पड़ोसियों पर स्वाभाविक रूप से पड़ता है। इसलिए केवल राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है; पड़ोसी देशों की आशंकाओं और अपेक्षाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। इसी प्रकार बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंताएँ, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित प्रश्न, उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की वैध चिंताओं का सम्मान करना होगा। विश्वास बहाली के लिए सबसे पहले लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। तीस्ता जल समझौते को प्राथमिकता देकर दोनों देश एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। सीमा प्रबंधन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना, संयुक्त गश्त और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना भी आवश्यक है। व्यापारिक असंतुलन को कम करने के लिए बांग्लादेशी उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, परिवहन और संपर्क परियोजनाओं को गति देकर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक परस्पर निर्भर बनाया जा सकता है।

उच्च स्तरीय राजनीतिक संवाद को नियमित और संस्थागत स्वरूप देना भी आवश्यक है। जब देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच निरंतर संवाद बना रहता है, तब गलतफहमियों की संभावना कम हो जाती है। साथ ही शिक्षा, संस्कृति, खेल, मीडिया और पर्यटन के माध्यम से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना चाहिए। सरकारों के बीच विश्वास जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण नागरिकों के बीच विश्वास भी है। सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों की सबसे बड़ी शक्ति है और इसे संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय मंचों जैसे बिंस्टेक और बीबिन के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देना भी उपयोगी होगा। साझा आर्थिक और रणनीतिक हितों पर आधारित क्षेत्रीय सहयोग अविश्वास को कम करने में सहायक हो सकता है। जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा सहयोग जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयास दोनों देशों को और निकट ला सकते हैं। अंततः भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो देशों के बीच की साझेदारी नहीं हैं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, भाषा, भूगोल और साझा संघर्षों से निर्मित एक विशेष संबंध हैं। हाल के वर्षों में उत्पन्न तनाव और अविश्वास यह अवश्य दर्शाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में संवेदनशीलताओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना कितना आवश्यक है। संवाद, सहयोग, पारस्परिक सम्मान और साझा विकास की भावना के आधार पर दोनों देश वर्तमान चुनौतियों को अवसर में बदल सकते हैं। यदि भारत और बांग्लादेश विश्वास की नई नींव पर अपने संबंधों का पुनर्निर्माण करते हैं, तो न केवल द्विपक्षीय संबंध अधिक मजबूत होंगे, बल्कि दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग भी अधिक प्रशस्त होगा।

नजरिया

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर' अर्थात राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है।

न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं?

इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फतेह दिवस

छठे सिख गुरु हरगोबिंद सिंह जी की पहली जीत के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले 'फतेह दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को अमृतसर में गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह से गुरुद्वारा लोहगढ़ साहिब तक आयोजित नगर कीर्तन के दौरान गुरु ग्रंथ साहिब को ले जाते एक सिख ग्रंथी।

ताजिकिस्तान सम्मेलन में भारत ने एससीओ और मध्य एशिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दुशांबे/भाषा। भारत ने शुक्रवार को मध्य एशिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और उसे अपना 'विस्तारित पड़ोस' तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, सुरक्षा एवं समृद्धि में एक अहम साझेदार बताया।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने ताजिकिस्तान के दुशांबे में 'मध्य एशिया एससीओ का केंद्र: शांति और संयुक्त विकास का क्षेत्र' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में यह बात कही।

सिंह ने मध्य एशिया और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ साझेदारी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

दुनिया साथ हो या न हो, मैं तुम्हारे साथ हूं: राणा को याद कर भावुक हुए अनीश

नई दिल्ली/भाषा। बेटा, अगर आज तुम जीत गए तो पूरी दुनिया तुम्हारे साथ खड़ी होगी। लेकिन अगर नहीं भी जीते, तब भी मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूंगा। महान कोच जसपाल राणा की यह प्रेरणादायी बात भारत के स्टार रैपिड फायर पिस्टल निशानेबाज अनीश भानवाला के जीवन का अहम आधार बन गई थी।

अनीष को जैसे ही राणा के निधन की खबर मिली, उन्हें सबसे पहले यही शब्द याद आए। भारत के महानतम पिस्टल निशानेबाजों में शामिल राणा ने खिलाड़ी के रूप में शानदार सफलता हासिल की थी और बाद में कोच बनकर मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक दो कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हृदय संबंधी जटिलताओं के कारण राणा का 49 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अनीश ने बताया कि 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने का आत्मविश्वास भी उन्हें राणा से ही मिला था। उन्होंने कहा, मैं 2018 राष्ट्रमंडल खेलों का जिक्र जरूर करना चाहूंगा। प्रतियोगिता के पहले दिन मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और मैंने 286 अंक बनाए थे। मुझे चिंता थी कि कहीं मैं रैपिड फायर के फाइनल में जगह न बना पाऊं। उन्होंने कहा, दूसरे दिन प्रतियोगिता स्थल पर जाने से पहले सर ने मुझे वापस बुलाया और कहा, 'बेटा, अगर आज अच्छा प्रदर्शन करके जीत गए तो पूरी दुनिया तुम्हारे साथ होगी। लेकिन अगर नहीं भी जीते, तो मैं हर हाल में तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा।

अनीश के अनुसार, उन शब्दों ने मेरा पूरा दबाव खत्म कर दिया। इसके बाद मैंने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक दिया और स्वर्ण पदक जीत लिया।

राष्ट्रमंडल खेलों (2018) के स्वर्ण पदक विजेता और 2025 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अनीश ने बताया कि हाल ही में म्यूनिख विश्व कप और आगामी एशियाई खेलों की तैयारी के लिए उन्हें इटली में राणा के मार्गदर्शन में दो सप्ताह के अभ्यास का मौका मिला था। दिलचस्प बात यह रही कि लगभग आठ साल बाद राणा ने उन्हें फिर वही शब्द दोहराए, जिन्होंने उनके करियर को नई दिशा दी थी और दोनों के बीच विश्वास के रिश्ते को और मजबूत किया था।

इटली में मनु भाकर और जसपाल राणा के साथ बिताए समय को याद करते हुए अनीश ने कहा कि इस बार उन्हें राणा के स्वभाव में एक अलग ही बदलाव दिखाई दिया। उन्होंने कहा, 'पिछले महीने हम म्यूनिख विश्व कप से पहले प्रशिक्षण के लिए इटली गए थे। वहां मनु भी थीं, मैं भी था और सर भी थे। यह संयोग था या कुछ और लेकिन उन दो हफ्तों में वह बिल्कुल अलग इंसान नजर आए।

अनीश ने कहा, उनके बोलने का तरीका, उनका व्यवहार और हर छोटी बात यह बता रही थी कि उनमें कुछ बदल गया है। वह बहुत शांत और सौम्य हो गए थे।

पहले की तरह सख्त नहीं थे और अक्सर जीवन से जुड़ी सीख साझा करते रहते थे। मैं बस बैठकर उनकी बातें सुनता रहता था। उन्होंने भावुक होकर कहा, मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि उनके जीवन के अंतिम दिनों में मुझे उनके साथ इतना समय बिताने और उनसे बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। स्टैंडर्ड पिस्टल में पूर्व जूनियर वर्ल्ड चैंपियन और एशियाई खेलों व 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने की सबसे बड़ी उम्मीदों में से एक, अनीश ने बताया कि राणा के मन में उनके लिए बड़ी योजनाएं थीं।

दुनिया ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और भारत की विकास यात्रा को स्वीकार किया है: आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर उनकी सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश ने समावेशी कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और बेहतर शासन-व्यवस्था के साथ एक बदलाव का दौर देखा है।

मोदी सरकार द्वारा 140 करोड़ भारतीयों की सेवा के 12 साल पूरे होने के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और भारत की विकास यात्रा को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, पूरे देश और दुनिया ने 10 जून को लगातार सबसे लंबे समय तक भारत का निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने की प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का जश्न देखा। दुनिया भर के नेताओं ने उन्हें बधाई दी और उनकी दृष्टि और नेतृत्व की सराहना की।

उत्साह

दक्षिण कोरिया के सियोल में क्वांगह्वामून स्क्वायर पर शुक्रवार को दक्षिण कोरिया और चेक गणराज्य के बीच 2026 फीफा विश्व कप का मैच देखते और अपनी टीम का हौसला बढ़ाते दक्षिण कोरिया के प्रशंसक।

अमेरिका में हर किसी को नहीं समुद्री तट के किनारे टहलने की इजाजत

मिलवॉकी/एजेन्सी

गर्मियों का मौसम समुद्र के किनारे टहलने के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। लेकिन ऐसा करना हमेशा उतना आसान नहीं होता, जितना सुनने में लगता है। मिसाल के तौर पर विस्कॉन्सिन में महीनों से एक कानूनी मामले की सुनवाई हो रही है कि क्या पॉल फ्लोर्शाइम लेक मिशिगन के उस समुद्री तट पर टहलना जारी रख सकते हैं, जहां वह 50 से ज्यादा वर्षों से सैर-सपाटा करते आ रहे हैं।

विस्कॉन्सिन-मिलवॉकी विश्वविद्यालय में सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रोफेसर रहे फ्लोर्शाइम पर जुलाई 2025 में बिना अनुमति समुद्री तट पर जाने के लिए जुर्माना लगाया गया। तट के पास स्थित जमीन के मालिक का कहना है कि संबंधित तट उसके निजी 'बैकयार्ड' (मकान का पिछला भाग) का हिस्सा है। न्यायाधीश ने फ्लोर्शाइम को दोषी करार देते हुए उन पर जुर्माना लगाया। हालांकि, फ्लोर्शाइम ने फैसले को चुनौती दी है।

इस मामले ने ग्रेट लेक्स के आसपास तीखी बहस छेड़ दी है और देश के कई तटीय इलाकों में एक बड़ा सवाल खड़ा किया है कि किन समुद्री तटों पर किसे जाने की इजाजत है? हम जल कानून और नीति पर अध्ययन कर ग्रेट लेक्स क्षेत्र और उसके आसपास के इलाकों में पहुंच से संबंधित नियमों का पता लगा रहे हैं। अध्ययन दिखाते हैं कि पानी के किनारे वाली जगहों पर जाने के कई शारीरिक और मानसिक फायदे हैं। लेकिन हमारे संस्थान के अध्ययन में पाया गया कि पानी के किनारे तक पहुंचना उतना आसान नहीं है, जितना लगता है। सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत के नाम से जाना जाने वाला एक कानूनी सिद्धांत कुछ खास जमीनों और जल-स्रोतों के इस्तेमाल के लिए लोगों के अधिकार निर्धारित करता है।

यह अवधारणा रोमन कानून से शुरू हुई और फिर ब्रिटिश कानून के जरिये पहले अमेरिकी उपनिवेशों तक पहुंची तथा अंतत: अमेरिकी राष्ट्र में लागू हुई। यह एक स्थापित संघीय कानून है कि जैसे-जैसे राज्य संघ में शामिल हुए, अमेरिकी सरकार ने उन राज्यों को जहाजों के चलने योग्य जलस्रोतों और उनके नीचे की जमीन का मालिकाना हक सौंप दिया, ताकि वे इन्हें सभी लोगों के लिए सार्वजनिक ट्रस्ट के तौर पर संभाल सकें।

बढ़ती उम्र में फिट और एक्टिव रहने का मंत्र है योगासन: पूनम ढिल्लों

मुंबई/एजेन्सी

विश्व योग दिवस 2026 के आयोजन में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, जिसे लेकर भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही लगातार लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील कर रहा है। इसी कड़ी में मंत्रालय विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों के प्रेरणादायक वीडियो भी पोस्ट कर रहा है। मंत्रालय ने अभिनेत्री पूनम ढिल्लों का एक वीडियो जारी किया, जिसमें वह योग के महत्व पर अपने विचार रखती नजर आईं। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, उम्र बढ़ना जीवन की एक स्वाभाविक और सुंदर सच्चाई है, लेकिन स्वस्थ, मजबूत और लचीला बने रहना हमारे अपने हाथ में है। मंत्रालय ने बताया कि इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि नियमित योग अभ्यास बढ़ती उम्र में भी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वहीं, पूनम ढिल्लों ने पोस्ट किए वीडियो में बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों के कारण 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक मान्यता मिली है। उम्र बढ़ना जीवन का एक अटल सच है और हर व्यक्ति चाहता है कि बढ़ती उम्र के साथ वह न केवल अच्छा दिखे बल्कि स्वस्थ, ऊर्जावान और सक्रिय भी बना रहे। पूनम ढिल्लों ने कहा कि योग एक ऐसा माध्यम है, जो बढ़ती उम्र में भी शरीर की लचक, गतिशीलता और मानसिक शांति बनाए रखने में मदद करता है। वास्तविकता है कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ जीवन जीने का एक प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाता है और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देता है।

सुनैना रोशन ने बताया क्रैश डाइटिंग का सच, कहा- गंभीर समस्या हो सकती थी

मुंबई/एजेन्सी

आजकल फिट दिखने की होड़ में लोग सेहत से समझौता करने लगे हैं और क्रैश डाइटिंग (कम समय में अत्यधिक कैलोरी घटाना) करने लगे हैं, जिससे सेहत पर बड़ा असर पड़ता है। ऐसा ही कुछ अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन सुनैना रोशन ने किया था, जिसके बाद उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। नौबत यहां तक आ गई थी कि वे कुछ समय तक अस्पताल में भर्ती थीं। सुनैना रोशन ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि जल्द वजन कम करने के चक्कर में उन्होंने क्रैश डाइटिंग की थी, जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। साथ की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना भी करना पड़ा था। वीडियो में सुनैना रोशन कहती हैं, इससे पहले मैंने एक वीडियो शेयर की थी, जिसमें मैंने बताया था कि कैसे क्रैश डाइटिंग की वजह से मुझे अस्पताल जाना पड़ा था। इसके बाद जो हुआ, वह मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल सकता था।सुनैना ने बताया कि करीब दो-

तीन दिनों तक वे अस्पताल में बेहोशी की हालत में भर्ती थीं। डॉक्टर ने उनके परिवार को बताया था कि इस स्थिति में लकवा, आंखों की रोशनी जाना या फिर कोमा जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती थीं। सुनैना रोशन ने लिखा, किसी को नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। मेरे भाई ने तो मंदिर में रात भर मेरे ठीक होने की प्रार्थना की। डॉक्टर ने कहा कि ठीक होने का पहला संकेत यह होगा कि मैं खाने के लिए कुछ मांगूंगी। सुनैना ने बताया कि कुछ दिनों के बाद तक कुछ ऐसा ही हुआ था। उन्होंने लिखा, उस एक पल ने मेरे परिवार के लिए सब कुछ बदल दिया। ट्यूबर कुलोसिस मेनिनजाइटिस का पता चलने के बाद मैं एक महीने तक अस्पताल में रही। फिर बीमारी दोबारा न हो जाए, इसलिए मुझे चार महीने और घर पर रहना पड़ा। मेरी इम्यूनिटी बहुत कम हो गई थी, इसलिए मुझे भारी दवाइयां लेनी पड़ी थी और इसकी वजह? क्रैश डाइटिंग थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि किसी भी लक्ष्य के लिए अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। हमेशा शॉर्टकट के बजाय सही पोषण को चुनें। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, अगर इस बात ने आपको सोचने पर मजबूर किया है, तो इसे किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शेयर करें जिसे यह सुनने की जरूरत है।

'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर मेकर्स ने गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। 4 मिनट 10 सेकंड के इस ट्रेलर में बेहतरीन कलाकारों की बड़ी टोली नजर आती है, जो दर्शकों को हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है। ट्रेलर की शुरुआत परेश रावल से होती है, जो एक फिल्म बनाना चाहते हैं। इसके बाद फिल्म के सभी कलाकारों का परिचय कराया जाता है और फिर जंगल में शूटिंग शुरू होती है। इसके बाद परेश रावल अपनी टीम को समझाते हैं कि उनकी फिल्म आर्मी पर आधारित है, जिसके लिए उन्हें पहले इसकी ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसी दौरान लारा दत्ता की एंट्री होती है और प्रशिक्षण के बीच कलाकारों की मजेदार नोकझोंक देखने को मिलती है।

पूरा ट्रेलर काफी मनोरंजक नजर आता है। इसमें भरपूर कॉमेडी और मजेदार उथल-पुथल देखने को मिल रही है। अपने दमदार एक्शन और शानदार कॉमिक टाइमिंग के साथ अक्षय कुमार प्रभाव छोड़ते नजर आते हैं। वहीं, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर और जैकी श्रॉफ भी अपने-अपने किरदारों में बेहद मजेदार दिखाई देते हैं। फिल्म में बड़ा मोड़ तब आता है, जब परेश रावल की पूरी टीम एक गांव पहुंच जाती है। गांव के लोगों को लगता है कि सेना के जवान उन्हें बचाने आए हैं। इसी दौरान रवीना टंडन की एंट्री होती है।

ट्रेलर की खास बात यह है कि इसमें मुख्य कलाकारों की वास्तविक जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प और मजेदार संदर्भ भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को लंबे समय बाद पर्दे पर एक साथ देखना दर्शकों के लिए खास आकर्षण माना जा रहा है।यह लोकप्रिय 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा सुनील शेट्टी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, कृष्णा अभिषेक, तुषार कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रवीना टंडन समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने पर पवन कल्याण ने मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली/एजेन्सी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे लंबे समय तक भारत के प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और केंद्र सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। पवन कल्याण ने अपने संदेश की शुरुआत देशभक्ति से ओतप्रोत पंक्तियों के साथ की। उन्होंने लिखा, मातृभूमि के सम्मान के लिए, कर्मभूमि के कल्याण के लिए, राष्ट्र को समर्पित जीवन। यही भावना प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की नेतृत्व यात्रा की पहचान रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 4,399 दिनों से देश की निस्वार्थ सेवा की है। पवन कल्याण ने कहा कि 12 साल पहले देश ने एक निर्णायक नेतृत्व को चुना था और आज भारत पहले की तुलना में अधिक मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और आत्मविश्वासी बनकर उभरा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को देश के विकास और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रमुख कारण बताया।

पवन कल्याण ने कहा कि एनडीए सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। इसके अलावा भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। उन्होंने जी20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी, 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने और भारत की अंतरराष्ट्रीय साख बढ़ाने को भी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया।

उन्होंने डिजिटल इंडिया, जन धन-आधार-मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने देश में बड़े स्तर पर बदलाव लाया है।

उन्होंने आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की भी सराहना की। साथ ही उन्होंने हाईवे, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाह और वंदे भारत ट्रेनों सहित बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में हुए विकास को अभूतपूर्व बताया।

आंध्र प्रदेश के विकास में केंद्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए पवन कल्याण ने कहा कि राज्य 'स्वर्ण आंध्र 2047' के लक्ष्य के तहत 2.4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश, 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में एक मजबूत भागीदार की भूमिका निभाने पर गर्व महसूस करता है। उन्होंने पोस्ट के अंत में कहा कि भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

देश की अनेक भाषाएं और संस्कृतियां उसकी पहचान हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विभाजनकारी शक्तियों का विरोध करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

‘स्वीकार भाव से ही मिलती है समाधि, अहंकार से बढ़ती है दूरी’: आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां केएलपी संकल्प श्वेताम्बर जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. ने शुक्रवार को प्रवचन के दौरान ‘सुलभ’ और ‘दुर्लभ’ शब्दों की व्याख्या करते हुए कहा कि जो वस्तु सहजता से प्राप्त हो जाए वह सुलभ कहलाती है, जबकि जो कठिन परिश्रम और पुण्योदय से प्राप्त होती है वह दुर्लभ होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि तिर्यंच गति में जन्म लेना सुलभ है, लेकिन मनुष्य योनि प्राप्त होना अत्यंत दुर्लभ है। यदि एक बार मनुष्य जीवन हाथ से निकल गया तो उसे पुनः प्राप्त करने की कोई निश्चित संभावना नहीं रहती। आनंदघनजी के स्तवन का स्मरण कराते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन मिलने का अवसर बार-बार नहीं मिलता। खोई हुई प्रतिष्ठा-संपत्ति, रूठा हुआ मित्र अथवा जीवनसाथी पुनः मिल सकते हैं, लेकिन मनुष्य जीवन एक बार चला जाए तो उसका पुनः मिलना अत्यंत कठिन है। आचार्यश्री ने कहा कि संसार में मनुष्य को हर वस्तु महंगी लगती है, लेकिन सबसे मूल्यवान मनुष्य जीवन का महत्व वह भूल जाता है। जो वस्तु दुर्लभ होती है, वही वास्तव में तारक होती है। मनुष्य जीवन दुर्लभ भी है और सार्थकता प्रदान करने वाला भी।

उन्होंने मनुष्य जीवन को सफल बनाने के लिए चार सूत्र बताए, साधना कलरफुल हो, समाधि ब्यूटीफुल हो, स्वभाव वंडरफुल हो और समर्पण पावरफुल हो। साधना के विषय में उन्होंने कहा कि साधना केवल धर्म-प्रवृत्ति नहीं, बल्कि पाप-निवृत्ति का नाम है। जीवन की सबसे बड़ी चुनौती धर्म करना नहीं, बल्कि पापों का त्याग करना है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मासक्षमण जैसा बड़ा तप करना बड़ी बात नहीं, लेकिन जीवनभर रात्रि भोजन का त्याग निभाना बड़ी साधना है। दान देना

बड़ा पराक्रम नहीं, बल्कि अनैतिकताओं का त्याग करना वास्तविक पराक्रम है। उन्होंने कहा कि अनंत धर्म की प्रवृत्ति चारित्र नहीं है, बल्कि अनंत पापों की निवृत्ति ही वास्तविक चारित्र है। इसलिए गुरु से धर्म-प्रवृत्ति नहीं, पाप-निवृत्ति का आशीर्वाद मांगना चाहिए।

समाधि पर प्रकाश डालते हुए आचार्यश्री ने कहा कि साधना वॉलंटरी है, लेकिन समाधि कंपलसरी है। जैसे शक्कर के बिना मिठाई नहीं बन सकती, वैसे ही समाधि के बिना साधना पूर्ण नहीं हो सकती। समाधि का अर्थ है-जीवन में आने वाली हर परिस्थिति को प्रेमपूर्वक स्वीकार करना। स्वीकार भाव के बिना समाधि संभव नहीं है। उन्होंने गुलाब के फूल का उदाहरण देते हुए कहा कि गुलाब अपने साथ जन्मे कांटों को भी स्वीकार कर लेता है, इसलिए वह सबका प्रिय बनता है। उन्होंने कहा कि समझदार व्यक्ति ही समाधि का स्वामी बन सकता है। एक कौवे का दृष्टांत सुनाते हुए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को सहजता से स्वीकार करना सीखना चाहिए।

स्वभाव के संदर्भ में आचार्यश्री ने कहा कि जब तक अहंकार का बलिदान नहीं होगा, तब तक स्वभाव वंडरफुल नहीं बन सकता। छोटे-छोटे अहंकार परिवारों में कलह और दूरी का कारण बनते हैं। उन्होंने अहंकार के दो दुष्परिणाम बताते हुए कहा कि इससे निकट रहने वाले लोग दूर हो जाते हैं और जो दूर हैं वे और अधिक दूर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिसके साथ रहने से चिंता समाप्त हो जाए, उसका स्वभाव वास्तव में श्रेष्ठ होता है। यदि आपके घर के सभी सदस्य प्रसन्न हैं तो समझिए आपका स्वभाव वंडरफुल है। मंदिर में रहने की विधि तो बहुत लोग जानते हैं, लेकिन घर में प्रेमपूर्वक रहने की विधि सीखना अधिक आवश्यक है।

समर्पण के विषय में उन्होंने कहा कि हमारे पास साधना, समाधि और श्रेष्ठ स्वभाव हो सकते हैं, लेकिन जीवन को पूर्णता तक पहुंचाने के लिए पावरफुल समर्पण आवश्यक है। समर्पण की परिभाषा बताते हुए उन्होंने कहा, मैं तेरा हूं और मेरा जो कुछ भी है, वह सब तेरा है। प्रवचन के अंत में आचार्यश्री ने प्रेरणा दी कि आज परमात्मा से यह प्रार्थना करें- मेरी इच्छाओं का अंत हो और तेरी इच्छाओं का आरंभ हो। यदि मनुष्य इस भावना को जीवन में उतार ले तो वह सफलता और सिद्धि के सर्वोच्च सोपानों तक पहुंच सकता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। शनिवार प्रातः आचार्यश्री के प्रवचन केएलपी संकल्प जैन संघ में आयोजित होंगे।

भागवत कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दादी परिवार तिरुपुर द्वारा हो रही एक-सौ आठ भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान आचार्यश्री रमाकांत गोस्वामीजी ने 11 जून को चतुर्थ दिवस कि कथा में बताया गया वामन अवतार, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन मत्स्य अवतार, गंगा अवतरण, रामजन्म श्री कृष्ण नन्दोत्स कथा में काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष आएं दादी परिवार कि ओर से अध्यक्ष शीला शाह एवं पदाधिकारी प्रभा मोदी, चंदा डिडवानिया, वीरा कामदार, मनीषा अग्रवाल, मंजु (पारस) जैन, सुमन गुप्ता, अन्नपूर्णा झुंझुनूं वाला, मधु चौधरी, सरिता तुलस्यान, मीनाक्षी सरावगी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

माहेश्वरी समाज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री माहेश्वरी सभा एवं मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में, मिस्टर-मिसेज क्लब के सहयोग से तथा अपोलो हॉस्पिटल के सौजन्य से 14 जून से शिवोहम-महेश नवमी-2026 के अंतर्गत एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह रक्तदान शिविर महेश नवमी पर्व के उपलक्ष्य में समाज सेवा एवं मानव कल्याण की भावना को समर्पित रहेगा। शिविर में समाजबंधुओं, युवाओं एवं महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर रक्तदान करने का आह्वान किया गया है। रक्तदान के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जाएंगी। माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी शिवोहम चेयरमैन डॉ. अशोक जे. मूंधड़ा एवं सभा के सचिव संजय मूंदड़ा ने कहा कि माहेश्वरी समाज सदैव सेवा, संस्कार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों में अग्रणी रहा है। रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से अनेक जरूरतमंद लोगों को जीवनदान देने का पुण्य कार्य इस माध्यम से किया जाएगा।

तेरापंत युवती मंडल द्वारा कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में शुक्रवार को युवती मंडल द्वारा ‘माइंडफुलनेस और सेल्फ हीलिंग’ एवं ‘आई है तो मुमकिन है’ नामक कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का शुभारंभ मंत्री रेखा मरोठी के मंगलाचरण के द्वारा किया गया। तत्पश्चात साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने ‘इंस्टेंट’ की जाल से बाहर निकलकर ‘लॉन्ग टर्म गोल्स’ पर फोकस करने की प्रेरणा दी और जीवन में अनावश्यक चीजों से ध्यान हटाकर महत्वपूर्ण चीजों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की सीख दी। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने जीवन शैली के व्यवस्थित होने के लाभ बताये एवं जीवन में धर्म के महत्व को समझाया। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने एक ही लाइन में अपनी भावना को समेटते हुए कहा कि एक महिला में इतनी ताकत होती है कि वह पूरे परिवार को लाइन पर ला सकती है । कार्यक्रम के दूसरे सत्र में कन्या मंडल संयोजिका रुचिका मालू ने चैट जीपीटी एवं जेमिनी को सुलभ तरीके से जीवन में प्रयोग करने का तरीका समझाए। धन्यवाद ज्ञापन युवती मंडल संयोजिका बबीता गुनेचा ने दिया। संचालन वंदना पारख ने किया।

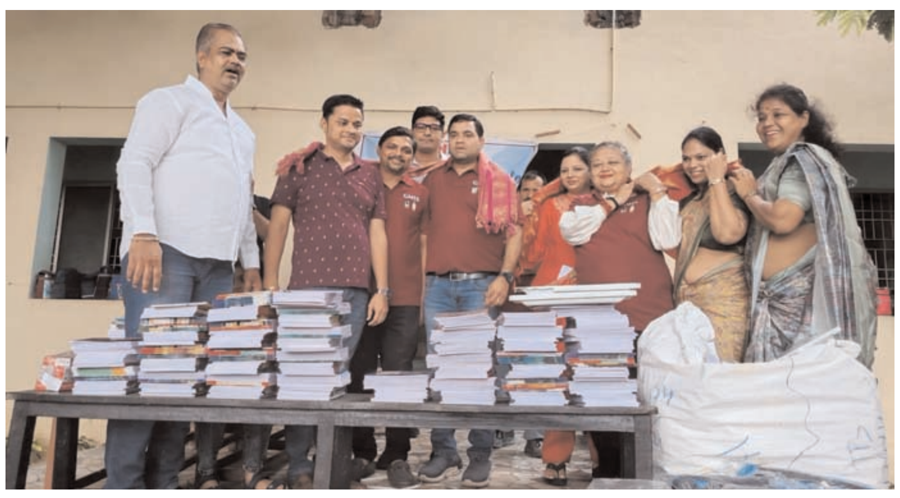

महावीर जैन ग्रुप एवं जीएमएसएस द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/आलथुर। समाज सेवा एवं शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से महावीर जैन ग्रुप एवं जीएमएसएस के संयुक्त तत्वावधान में आलथुर स्थित उधवुम ननबर्गल स्कूल में विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को नोटबुक, पेन, पेंसिल तथा एलकेजी एवं यूकेजी के विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकें प्रदान की गईं।

डॉ. निरूमला वसंत छल्लाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय की प्रधानाचार्य सुप्रिया ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया तथा संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सुनीता ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जीएमएसएस के विनय विनायकिया, राजेश, किशोर, आशीष, ललित, हंसमुख,गरिश्मा, कमलेश ,रितिका, हेत्वी सहित उनकी टीम के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम का स्थापना दिवस कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के 17वें स्थापना दिवस के अवसर पर 14 जून को चेन्नई चैप्टर द्वारा आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी के पावन सान्निध्य में एक विशेष प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मद्रास विश्वविद्यालय के जैनोलॉजी विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियदर्शना जैन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगी। वे सुदृढ़ संस्कार, सशक्त भविष्य-उत्तम जीवन शैली विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगी तथा जैन दर्शन एवं जीवन मूल्यों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। कार्यक्रम का आयोजन सुबह पुरुषवाक्कम के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

अधिक मास में सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में 12 जून को अधिक मास के पावन अवसर पर श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा बारस पर ब्राह्मण भोज कराया।

इस पुण्य अवसर पर लगभग 200 ब्राह्मणों ने श्रद्धापूर्वक भोजन ग्रहण किया। भोज के उपरांत दक्षिणा दी गई। साथ ही अनेक सदस्यों के सहयोग से छाता, ब्लाउज़ पीस, शरबत/सिरप, जूस, शक्कर एवं अन्य उपयोगी सामग्री श्रद्धा के साथ दी।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व विष्णु सहस्रनाम का सामूहिक पाठ एवं तुलसी अर्चना की गई, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति का संचार हुआ। आयोजन की संयोजिकाएँ आशा तोशनीवाल एवं अनुराधा राठी रहीं, जिनके नेतृत्व और सभी सदस्यों के सहयोग से यह सेवा कार्य अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बना।

रीता मोहता ने ख़ान-पान की व्यवस्था संभाली जिसके प्रति उनका आभार व्यक्त किया गया।

विपक्ष के नेता अशोक ने शिवकुमार को शक्तिशाली लॉबी, कचरा माफिया का ‘कमीशन एजेंट’ बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार पर निशाना साधते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को उन्हें शक्तिशाली लॉबी, ठेकेदारों और कचरा माफिया का ‘‘कमीशन एजेंट’’ करार दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता की यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री शिवकुमार के उस आरोप के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि अशोक कचरा माफिया के एजेंट’ की तरह बोल रहे हैं। अशोक ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर बेंगलूरु में कथित 39,000 करोड़ रुपये के ‘‘कचरा प्रसंस्करण घोटाले’’ में 10,000 करोड़ रुपये की रिश्वतखोरी का आरोप लगाया था। विपक्ष के नेता ने मुख्यमंत्री को यह चुनौती भी दी कि यदि उनमें थोड़ी भी पारदर्शिता बची है, तो कचरा निविदा विवाद की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करें। अशोक ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘डी.के. शिवकुमार जी, हां, मैं एक एजेंट की तरह बोल रहा हूं। लेकिन आपकी तरह शक्तिशाली लॉबी, ठेकेदारों या कचरा माफिया का कमीशन एजेंट नहीं हूं। मैं जनता का एजेंट हूं- 7.5 करोड़ कन्नड़ भाषी लोगों और बेंगलूरु के 1.5 करोड़ नागरिकों की आवाज हूं, जिन्हें आपकी सरकार के भ्रष्टाचार, अक्षमता और कुप्रशासन की कीमत चुकानी पड़ रही है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘विपक्ष के नेता के रूप में

घोटालों का पर्दाफाश करना, संदिग्ध निविदाओं पर सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह बनाना कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि मेरा संवैधानिक कर्तव्य है। इसके लिए मुझे किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है।’’ अशोक ने कहा कि वह शिवकुमार की निराशा को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान के दरवाजे पर वर्षों तक पैरवी करने, गुहार लगाने और इंतजार करने के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल करना और फिर यह महसूस करना कि कर्नाटक की जनता आपको थोड़ी भी मोहलत देने को तैयार नहीं है, निश्चित रूप से निराशाजनक होगा। उन्होंने शिवकुमार से कहा, ‘‘लेकिन विपक्ष पर उंगली उठाने से पहले आपको अपनी ही पार्टी के भीतर झांकना चाहिए। जब आपके अपने विधायक खुलकर असंतोष जताते हैं, शिकायतें लेकर दिल्ली दौड़ते हैं और सार्वजनिक रूप से आपके नेतृत्व पर सवाल उठाते हैं, तो समस्या विपक्ष नहीं है।’’

अन्याय को देखकर मौन रहना भी अन्याय है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के त्यागराजनगर जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि बुराई करने वाला जितना दोषी है उससे अनंत गुना ज्यादा दोषी उसके सामने मौन रहकर उस अन्याय को अनदेखा करके उसके हौसले को बुलंद करने का पाप करने वाला है। संत ने कहा कि आज भी अच्छे लोग भारी संख्या में हैं परंतु निष्क्रिय, अप्रशिक्षित और असंगठित बिखरे हुए हैं, इसलिए उनका प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। बुरे लोग मुट्ठी भर होने के बावजूद भी संगठित, प्रशिक्षित और सक्रिय होने से उनका बोलबाला है। धर्म और मानवता की दुहाई देने वालों के मुंह पर करारा तमाचा है। जैन संत ने कहा कि समय रहते हुए अच्छे लोगों ने संगठित होकर दुर्जनों पर कंट्रोल नहीं किया तो उनका अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है, सबको मिलकर बुराइयों के लिए वैचारिक क्रांति से परिवर्तन लाकर बुराई को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

मुनिवर ने कहा कि विश्व के सभी धर्म बुराइयों का विरोध करते हैं, उनको रोकने के लिए सभी धर्माचार्य को न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाना चाहिए। एक मंच पर संगठित होकर आवाज बुलंद करनी चाहिए, तभी धर्म, संस्कृति, संत और भगवान की रक्षा हो पाएगी। बुराई रोकने के लिए प्रयास करना आराधना, भक्ति, सेवा, चार धाम की यात्रा, दान आदि से बढ़कर है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में निवासित जालौर जिले के रेवतड़ा एवं बाकरा प्रवासियों ने शुक्रवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रवासियों ने राज्यपाल को बाकरा रोड पर रेलवे स्टेशन ठहराव एवं रेल आवागमन सुविधा की मांग संबंधी ज्ञापन दिया। इस अवसर पर भंवरलाल वेदमुथा, प्रकाशचंद हिरानी, जीतमल सोफाडिया, शांतिलाल दुर्गानी, हितेश वेदमुथा एवं विक्रम वेदमुथा उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.